मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 153
सोमवार, 15 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत की भावी युद्ध शक्ति तीन स्तंभों संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार पर आधारित होगी : जनरल चौहान

नई दिल्ली, 14 दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि देश की भविष्य की युद्ध शक्ति तीन स्तंभों - संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार - से संचालित होगी। चौहान ने इन तीनों तत्वों को सामूहिक रूप से जेएआई कहा।

हैदराबाद के पास दुडिंक्कल स्थित वायुसेना अकादमी में कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) का निरीक्षण करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि भले ही अभियानों की तीव्रता कम हो गई हो, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर जारी है। उन्होंने कहा, हमारी ताकत हर घंटे, हर दिन सतर्क रहने की क्षमता में निहित होगी।

किसी देश का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि संस्थागत कमजोरी और प्रतिक्रियात्मक समायोजन को दशार्ने वाले घटनाक्रम अक्सर हमारे आसपास ही देखने को मिलते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि सुनियोजित कार्रवाई से जीते जा सकते हैं। जनरल चौहान

ने कहा, हमारे आसपास अक्सर ऐसे घटनाक्रम देखने को मिलते हैं जो संस्थागत कमजोरी और प्रतिक्रियात्मक समायोजन का संकेत देते हैं। इसके विपरीत, भारत की ताकत मजबूत संस्थाओं, लोकतांत्रिक स्थिरता और हमारे सशस्त्र बलों के अटूट पेशेवर अंदाज पर आधारित है। सीडीएस ने नवनियुक्त अधिकारियों से कहा कि वे भारतीय वायु सेना में ऐसे समय में प्रवेश कर रहे हैं जब सशस्त्र बलों में गहन परिवर्तन का दौर चल रहा है। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त अधिकारियों का आगे का सफर जय हिंद के पहले शब्द जेएआई से निर्देशित होगा।

उन्होंने कहा, संयुक्तता का अर्थ है एक राष्ट्र और एक सेना के रूप में लड़ना, और आत्मनिर्भरता का अर्थ है भरोसेमंद मंच और प्रणालियां जो न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के लिए भी बनाई गई हों। उन्होंने कहा कि नवाचार का अर्थ है दूरदर्शी सोच रखना और समय से आगे रहना। उन्होंने कहा, ये तीन स्तंभ भारत की युद्ध शक्ति के भविष्य को आकार देंगे।

जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध और युद्धकला एक बड़ी क्रांति की दहलीज पर है। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा बल बदलते परिवेश के अनुकूल बनने और सुधारों को आत्मसात करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे हमेशा तैयार और प्रासंगिक बने रहें।

रामलीला मैदान से राहुल गांधी की हुंकार

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को कांग्रेस की 'वोट चोरी, गद्दी छोड़ो' रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर जोरदार हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी का आत्मविश्वास खत्म हो चुका है, क्योंकि उन्हें पता है कि उनकी 'चोरी पकड़ी गई' है और जल्द ही यह बात लोगों को भी पता चल जाएगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को एक वोट का अधिकार संविधान में लिखा है, और इस पर हमला करना अंबेडकर जी का अपमान है।

लेकिन, उन्होंने मोहन भागवत के अंडमान में दिए एक बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है।' राहुल गांधी ने कहा, 'यह उनकी की विचारधारा है... मोहन भागवत कहते हैं- सत्य का कोई मतलब नहीं है, सत्ता जरूरी है।' उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में इस वक्त इसी सत्य और असत्य की लड़ाई चल रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि वे सत्य के पीछे खड़े होकर पीएम मोदी, अमित शाह और आरएसएस की सरकार को सत्ता से बाहर करेंगे।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को भी निशाने पर लेते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान भाजपा ने 10,000 रुपये दिए, लेकिन चुनाव आयोग ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि सच और झूठ की इस लड़ाई में चुनाव आयोग भाजपा सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है।

राहुल गांधी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि नरेंद्र मोदी चुनाव आयोग को छूट देने के लिए नया कानून लाए हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी इस कानून को बदल देगी और चुनाव आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। उन्होंने 2023 के चुनाव आयोग का हवाला देते हुए कहा, 'कांग्रेस पार्टी आपसे (चुनाव आयुक्त) कह ही है, आप हिंदुस्तान के चुनाव आयुक्त हो, नरेंद्र मोदी के निर्वाचन आयुक्त नहीं हो। हम कानून पूर्वव्यावी रूप से बदलेंगे और आपके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।'

हिमाचल प्रदेश में अगले अकादमिक सत्र से स्कूलों में विद्यार्थियों के मोबाइल ले जाने पर पाबंदी: सुक्खू

हिमाचल प्रदेश, 14 दिसम्बर। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को घोषणा की कि आगामी शैक्षणिक सत्र से प्री-नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय परिसर में मोबाइल फोन ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा,हालांकि, शिक्षकों को अपने मोबाइल फोन स्टाफ रूम में या अपने बैग में रखने की अनुमति होगी।

मुख्यमंत्री ने समग्र शिक्षा निदेशालय में अत्याधुनिक सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिनमें विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके), शिक्षा गैलरी, कार्यक्रम प्रबंधन स्टूडियो, सम्मेलन क्षेत्र, नया सम्मेलन कक्ष और एक आधुनिक केंद्रीय ताप प्रणाली शामिल हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

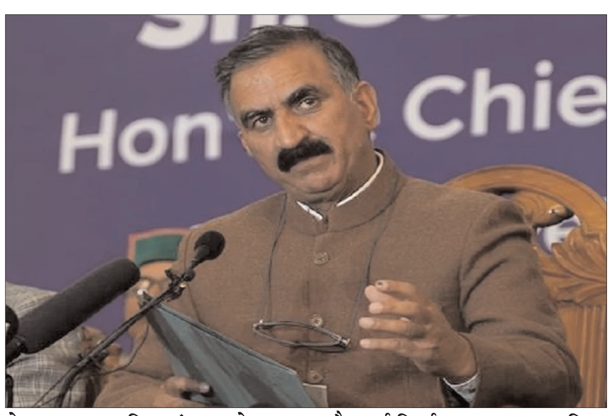

ये उन्नत सुविधाएं न केवल प्रशासनिक और शैक्षणिक दक्षता को बढ़ाएंगी बल्कि हिमाचल प्रदेश में डिजिटल शिक्षा प्रशासन के एक नए युग की शुरूआत भी करेंगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और कई निर्णायक सुधार लागू किए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन के आधार पर अपनी रैंकिंग को 21वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंचाकर राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति की है।

मतदाता सूची का शुद्धिकरण ही मजबूत लोकतंत्र की नींव : सी.आर. पाटिल

◆बूथ सशक्तिकरण स्नेह मिलन में का बड़ा संदेश, 2047 के विकसित भारत का आधार

◆एस.आई.आर. को लेकर भ्रम तोड़ना बूथ अध्यक्षों की जिम्मेदारी : सुनील बंसल

सुरेश गांधी

वाराणसी. लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने और 2047 के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में मतदाता सूची का शुद्धिकरण एक अनिवार्य कदम है। यह संदेश केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने दिया। अवसर था भाजपा वाराणसी जिला एवं महानगर द्वारा केंटोमेंट स्थित होटल डी-पेरिस में आयोजित बूथ सशक्तिकरण स्नेह मिलन सम्मेलन

का। सम्मेलन में वाराणसी लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभाओं से जुड़े दो हजार से अधिक बूथ अध्यक्ष और शक्तिकेंद्र प्रमुख शामिल हुए। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जिन बूथों पर 70 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज हुआ, ऐसे 116 बूथ अध्यक्षों को अंगवस्त्रम व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि कमजोर बूथों को मजबूत करना संगठन की प्राथमिकता रही है। जिन बूथ अध्यक्षों ने कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में मेहनत कर मतदान बढ़ाया, उनका सम्मान संगठन की कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और काशीवासियों के बीच आत्मीय संबंध ने काशी के कायाकल्प को संभव बनाया है। बीते एक दशक में काशी का विकास देश के लिए उदाहरण बन चुका है।

एस.आई.आर. पर विपक्ष का भ्रमजाल देश के 12 राज्यों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर बोलते हुए सी.आर. पाटिल ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण लोकतांत्रिक जनजागरण का अभियान है। मतदाता सूची के शुद्धिकरण से न केवल लोकतंत्र मजबूत होगा, बल्कि राष्ट्र निर्माण को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में विपक्ष ैएसआअर्आर से घबराया हुआ है, क्योंकि फर्जी वोटरों के नाम हटने का डर है। एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने का माध्यम है।

बूथ अध्यक्षों की भूमिका निर्णायक : सुनील बंसल भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने बूथ अध्यक्षों से बूथ कमेटियों के विस्तार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नए-नए लोगों को जोड़कर मजबूत टीम तैयार करें, यही टीम आने वाले चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाएगी। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर सामूहिक रूप से सुनने और फॉर्म-6 के माध्यम से 18 वर्ष पूर्ण कर चुके सभी पात्र युवाओं को मतदाता सूची से जोड़ने पर जोर दिया। एसआईआर अभियान पर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि शहरी मतदाता का नाम जुड़ने से उसकी ग्रामीण संपत्ति पर कोई असर नहीं पड़ता। यह केवल मतदान से जुड़ी प्रक्रिया है। बूथ अध्यक्षों की जिम्मेदारी है कि वे हर मतदाता को एसआईआर की वास्तविकता समझाएं और भ्रमजाल को तोड़ें। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल में अब तक लगभग 50 लाख बोगस नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं।

सीबीआई ने साइबर अपराध गिरोह मामले में चीन के चार नागरिकों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की रकम हड़पने में संलिप्त एक अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क में शामिल होने के आरोप में चीन के चार नागरिकों समेत 17 लोगों और 58 कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अक्टूबर में गिरोह का पदार्फाश करने के बाद जांचकताओं ने पाया कि यह एक सुनियोजित और संगठित सिंडिकेट था, जो जटिल डिजिटल और वित्तीय प्रणाली के जरिये कई तरह की धोखाधड़ियां कर रहा था।

धोखाधड़ी के इन तरीकों में भ्रामक ऋण आवेदन, फर्जी निवेश योजनाएं, पोंजी और मल्टी-लेवल

मार्केटिंग मॉडल, फर्जी पार्ट-टाइम नौकरी के ऑफर और फर्जी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म शामिल थे।

जांच एजेंसी की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, इस समूह ने 111 मुखौड़ा कंपनियों के जरिये अवैध धन के लेन-देन को छिपाया और म्यूल खातों के माध्यम से लगभग 1,000 करोड़ रुपये की हेराफेरी की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से एक खाते में कम समय में 152 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा हुई थी। सीबीआई ने कहा कि ये मुखौटा कंपनियां डमी निदेशकों, जाली या भ्रामक दस्तावेजों, फर्जी पतों और व्यावसायिक उद्देश्यों के बारे में झूठे हलफनामों के जरिए बनाई गई थीं।

जांचकताओं के अनुसार यह घोटाला 2020 में शुरू हुआ था जब देश कोविड-19 महामारी से जूझ रहा था। आरोप है कि ये मुखौटा कंपनियां चार चीनी संचालकों जोउ यी, हुआन लियू, वेइजियान लियू और गुआनहुआ वांग के निर्देश पर स्थापित की गई थीं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

केरल में लगातार आगे बढ़ेगी भाजपा : मोहन यादव

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को उम्मीद जताई कि दक्षिण भारत के इस राज्य में भाजपा लगातार आगे बढ़ेगी। यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में हमारी जीत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की विजय पताका देशभर में लहरा रही है और पार्टी की सरकारें लगातार सुशासन के कीर्तिमान बना रही हैं।

जेल की दीवारों के भीतर दिव्यांगता : गरिमा, अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी

- डॉ सत्यवान सौरभ

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कारागार व्यवस्था केवल अपराध और दंड का प्रतीक नहीं होती, बल्कि वह राज्य की संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टि और संवैधानिक प्रतिबद्धता की भी कसौटी होती है। भारतीय संविधान व्यक्ति की गरिमा को सर्वोच्च मूल्य के रूप में स्वीकार करता है और यह गरिमा अपराधी या कैदी बनने के बाद समाप्त नहीं हो जाती। इसी पृष्ठभूमि में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्देश, जिनमें जेलों में दिव्यांग कैदियों के लिए सहायता, सुविधाओं के ऑडिट और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रभावी अनुपालन पर बल दिया गया है, भारतीय कारागार व्यवस्था की एक गंभीर लेकिन लंबे समय से उपेक्षित सच्चाई को सामने लाते हैं। ये निर्देश इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि कारागारों में बंद दिव्यांग व्यक्ति न केवल स्वतंत्रता से वंचित होते हैं, बल्कि अक्सर अपने बुनियादी मानवीय अधिकारों से भी वंचित रह जाते हैं।

भारतीय जेलें ऐतिहासिक रूप से ऐसे सामान्य शारीरिक और मानसिक मानकों पर आधारित रही हैं, जिनमें दिव्यांगता को एक अपवाद या प्रशासनिक असुविधा के रूप में देखा गया। परिणामस्वरूप, शारीरिक, संवेदी, बौद्धिक या मनोसामाजिक दिव्यांगता से ग्रस्त कैदियों की आवश्यकताओं को जेल प्रशासन के ढांचे में समुचित स्थान नहीं मिल पाया। प्रवेश के समय दिव्यांगता की पहचान और पंजीकरण का अभाव, आवश्यकताओं के आकलन की कमी और अलग से किसी नीति का न होना, इन कैदियों को अदृश्य बना देता है। यह अदृश्यता ही आगे चलकर उपेक्षा, असमान व्यवहार और कभी-कभी अमानवीय स्थितियों में बदल जाती है।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश इस स्थिति को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 कारागारों पर भी समान रूप से लागू होता है और ह्यउचित समायोजन तथा सुलभता कोई दया या विशेष सुविधा नहीं, बल्कि कानूनी अधिकार हैं। इसके साथ ही, जेल परिसरों में दिव्यांगता संबंधी सुविधाओं का नियमित ऑडिट, स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुँच और कानूनी सहायता के प्रावधान को अनिवार्य मानते हुए न्यायालय ने प्रशासनिक जवाबदेही की नींव रखी है। यह दृष्टिकोण कारागारों को केवल अनुशासनात्मक संस्थान नहीं, बल्कि अधिकार-आधारित सुधार गृह के रूप में देखने की मांग करता है।

वास्तविकता यह है कि भारतीय जेलों में दिव्यांग कैदियों को अनेक स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सबसे पहली और बुनियादी समस्या सुलभता की है। अधिकांश जेल परिसरों में रैंप, रेलिंग, सुलभ शौचालय, समतल फर्श, स्पर्शनीय पथ या स्पष्ट संकेतकों का अभाव है। व्हीलचेयर उपयोग करने वाले कैदियों के लिए सीढ़ियाँ रोजमर्रा की गतिविधियों को भी असंभव बना देती हैं, जबकि दृष्टिबाधित कैदियों के लिए असमान फर्श और दिशासूचक संकेतों की कमी दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ाती है। यह स्थिति ह्यसमान पहुँचह्न के संवैधानिक सिद्धांत का सीधा उल्लंघन है। इसके साथ ही, चिकित्सा उपेक्षा एक गंभीर समस्या के रूप में उभरती है। नियमित स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता और सहायक उपकरणों की समयबद्ध व्यवस्था का अभाव दिव्यांगता को और अधिक कष्टदायक बना देता है। कई मामलों में श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, छड़ी या अन्य सहायक साधनों की अनुपलब्धता कैदियों को पूरी तरह दूसरों पर निर्भर बना देती है। उपचार में विलंब से न केवल दिव्यांगता की तीव्रता बढ़ती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। संचार संबंधी बाधाएँ इस समस्या को और गहरा कर देती हैं। श्रवणबाधित कैदियों के लिए सांकेतिक भाषा दुभाषियों का न होना, दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल या ऑडियो सामग्री का अभाव और बौद्धिक या मनोसामाजिक दिव्यांगता वाले कैदियों के लिए सरल भाषा में सूचना की कमी—इन सबका परिणाम यह होता है कि वे जेल नियमों, अनुशासनात्मक कार्यवाहियों, कानूनी प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण तंत्र से लगभग कट जाते हैं। यह स्थिति न्याय तक समान पहुँच के अधिकार को कमजोर करती है।

दिव्यांग कैदियों की सामाजिक स्थिति उन्हें और अधिक असुरक्षित बनाती है। भीड़भाड़ वाली बैरकों में वे उपहास, उपेक्षा या हिंसा के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मनोसामाजिक दिव्यांगता वाले कैदियों को अक्सर अनुचित रूप से एकांतवास या कठोर अनुशासनात्मक उपायों का सामना करना पड़ता है, जबकि उनकी स्थिति विशेष देखभाल और उपचार की मांग करती है। इस प्रकार, कारागार का वातावरण उनके लिए दंड से अधिक पीड़ा का स्रोत बन जाता है। संवैधानिक दृष्टि से यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, अनुच्छेद 21 गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है और अनुच्छेद 39अ न्याय तक समान पहुँच को राज्य का दायित्व बनाता है। ये सभी अधिकार जेल की दीवारों के भीतर भी उतने ही प्रभावी हैं। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 उचित समायोजन और सुलभता को कानूनी अधिकार के रूप में स्थापित करता है, जबकि संयुक्त राष्ट्र का दिव्यांगजन अधिकार अभिसमय हिरासत में दिव्यांग व्यक्तियों के संरक्षण और समावेशन की स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करता है। इन मानकों की अनदेखी भारत की संवैधानिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं दोनों को कमजोर करती है।

इस पृष्ठभूमि में, भारतीय कारागारों को दिव्यांगता-समावेशी बनाने के लिए व्यापक और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। बुनियादी ढाँचे को सार्वभौमिक डिजाइन के सिद्धांतों के अनुरूप ढालना अनिवार्य है, जिसमें रैंप, सुलभ शौचालय, रेलिंग, स्पर्शनीय फर्श और स्पष्ट संकेतक शामिल हों। यह सुधार चरणबद्ध रूप से, मौजूदा जेलों में रेट्रोफिटिंग के माध्यम से किया जा सकता है। इसके साथ ही, प्रवेश के समय दिव्यांगता की अनिवार्य स्क्रीनिंग, आवश्यकताओं का आकलन और डिजिटल पंजीकरण व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, ताकि किसी भी कैदी की आवश्यकता अनदेखी न रह जाए।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। नियमित चिकित्सीय जांच, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ, सहायक उपकरणों की उपलब्धता और विशेषज्ञों के नियमित दौरे सुनिश्चित किए जाने चाहिए। दूरस्थ जेलों में टेलीमेडिसिन एक प्रभावी समाधान हो सकता है। संचार और कानूनी पहुँच के लिए सांकेतिक भाषा दुभाषिए, ब्रेल और ऑडियो सामग्री, सरल भाषा में नियमावली और ई-मुलाकात व ई-कोर्ट जैसी डिजिटल सुविधाओं में दिव्यांग कैदियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मानव संसाधन विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जेल कर्मियों के लिए अनिवार्य दिव्यांगता-संवेदनशीलता प्रशिक्षण, व्यवहारिक दिशानिर्देश और जवाबदेही तंत्र विकसित किए जाने चाहिए। यह प्रशिक्षण केवल औपचारिक न होकर व्यवहार में संवेदनशीलता और सहानुभूति को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, जहाँ संभव हो, दिव्यांग कैदियों के लिए वैकल्पिक दंड, चिकित्सीय आधार पर रिहाई या सुधारात्मक उपायों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। अंततः, दिव्यांगता-समावेशी कारागार केवल प्रशासनिक सुधार का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह मानवीय गरिमा, संवैधानिक नैतिकता और न्यायपूर्ण शासन की कसौटी है। सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्देश इस दिशा में एक अवसर प्रदान करते हैं—एक ऐसा अवसर, जिसमें भारतीय कारागार व्यवस्था को दंड-केंद्रित दृष्टिकोण से निकालकर अधिकार-आधारित और सुधारोन्मुख संस्था के रूप में पुनर्परिभाषित किया जा सकता है। यदि इन निदेर्शों को ईमानदारी से लागू किया जाए, तो कारागार न केवल कानून के पालन का स्थल होंगे, बल्कि वे उस संवैधानिक आदर्श के सच्चे प्रतिनिधि बन सकेंगे, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति—चाहे वह स्वतंत्र हो या हिरासत में—गरिमा और न्याय का अधिकारी है।

महात्मा अब बापू बने, जिनके रूप अनेक!

इस देश में महात्मा केवल एक है महात्मा गांधी, रघुपति राघव राजाराम वाले महात्मा गांधी। वहीं महात्मा गांधी, जो इस देश की बहुलतावादी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं और जिसके कारण गोडसे ने उनकी हत्या कर दी थी।

इस देश में बापू अनेक है। आसाराम बापू हैं, मोरारी बापू हैं। बापूओं की फौज हैं और इनमें से लगभग सभी उस हिंदुत्व की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके लिए संघी गिरोह जाना-पहचाना जाता है। कथावाचक बापूओं की इस भीड़ में कोई श्री 420 हैं, तो कोई अपनी आशिकी के लिए प्रसिद्ध और कोई बलात्कारी के रूप में जेल में भी है। हालांकि बापू महात्मा गांधी को भी कहते हैं, लेकिन इस शब्द का उच्चारण करते शायद ही उनकी छवि कभी दिमाग में उभरती हो। बापू के नाम से किसी संघी बापू का चेहरा ही मन में उभरता है। किसी का नाम बदलकर हत्या करना और इस तरह कि कोई इस अपकृत्य को साबित भी न कर सके, संघी गिरोह का जाना-पहचाना खेल है। गोडसे के जन्म दिन पर महात्मा गांधी की मूर्तियों पर गोलियां दागने से इनका मन नहीं भरा है, तो गांधीजी की हत्या का यह एक और तरीका ढूंढ निकाला गया है। मनरेगा अब पूबारेगा हो गया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का नाम संघी गिरोह ने अब बदलकर पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना कर दिया है। धीरे से योजना के बोर्डों से महात्मा गांधी की तस्वीर कब उतर जाएगी और कब आसाराम या मोरारी बापू चढ़ जाएंगे, पता भी नहीं चलेगा। नामों को बदलना और काम की गुणवत्ता को गिराना। इस धर्मनिरपेक्ष देश को हिंदू राज में बदलने की पहली निशानी है।

महात्मा गांधी और मनरेगा संघी गिरोह के निशाने पर हमेशा से रहे हैं। आजादी के आंदोलन ने इस देश में जिस गंगा-जमुनी संस्कृति का विकास किया, महात्मा गांधी उसके सबसे बड़े प्रतीक हैं। 1925 में अपने जन्म के बाद से आज तक जो साम्राज्यवाद के तलुवे चाट रहे हैं, उनकी महात्मा गांधी से जन्मजात दुश्मनी इसलिए हैं कि जब-तब वे अपनी अदृश्य और कृश काया के साथ इस संघी गिरोह की हिन्दू राष्ट्र परियोजना के खिलाफ आकर खड़े हो जाते हैं। संघी गिरोह गांधीजी को उनकी इस हरकत के लिए कभी माफ नहीं करेगा, बल्कि गालियां-गोलियां दागता ही रहेगा।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना वामपंथ की देन है। 2004-09 के दौरान इस देश में वामपंथ के समर्थन पर टिकी कांग्रेस की सरकार थी। चाहती तो, वामपंथी पार्टियां इस समर्थन का फायदा उठाकर अपनी तिजोरियां भर सकती थीं, जमीन-जायदाद बना सकती थीं और इस पर अरबों के हवामहल खड़े कर सकती थीं। पिछले 11 साल से भाजपा और आरएसएस और इस गिरोह से जुड़े दूसरे संगठन और लोग यही कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस और मनमोहन सरकार पर दबाव डालकर राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून, सूचना का अधिकार और आदिवासी वनाधिकार कानून जैसे कानून बनवाए। उस समय विपक्ष में रहते हुए भी भाजपा इन कानूनों के पक्ष में नहीं थी। सत्ता में आने के बाद उसने इन कानूनों को कमजोर करने की कोशिश की है, लेकिन इन कानूनों को खत्म करने का साहस वह कभी जुटा नहीं पाई। इन कानूनों के कारण ही उसने उस समय भी कहा था कि वामपंथ कांग्रेस सरकार को ब्लैकमेल कर रही है।

बहरहाल, आज संसद से वामपंथ का दबदबा खत्म होने के बाद भी उसके दबाव में बनाए गए ये कानून भूत बनकर भाजपा के सामने खड़े हैं, जिसे वह न निगल पा रही है, न उगल पा रही है। एक समय था, जब भाजपा ने मनरेगा को गड्ढे खोदने वाली योजना बताते हुए औचित्यहीन करार दिया था। वह इसे कांग्रेस की विफलताओं का स्मारक बनाना चाहती थी। लेकिन यह दुनिया में रोजगार देने वाली सबसे बड़ी योजना साबित हुई और इतनी प्रभावशाली साबित हुई कि चाहते हुए भी अपने 11 सालों के राज में भाजपा इसे खत्म नहीं कर पाई। हां, बजट में हर साल कटौती करके, मजदूरी भुगतान में कई कई महीनों की देरी करके इसमें काम करने वाले मजदूरों को हतोत्साहित करके और नियमों में हेर-फेर करके ग्रामीणों को इस योजना के दायरे से बाहर धकेलने की कोशिश जरूर की है। एक जीवंत योजना को स्मारक में बदलने का भाजपा का यह तरीका है।

इस योजना के क्रियान्वयन में लाख खामियां हों, लेकिन इस योजना के कारण ही ग्रामीण गरीबों की आय में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्वतंत्र और सरकारी अध्ययन बताते हैं कि इस योजना ने गरीब ग्रामीणों की सामूहिक सौदेबाजी की ताकत को बढ़ाया है और चाहे मनरेगा में उसे रोजगार मिले या न मिले, मनरेगा से कम मजदूरी दरों पर अन्यत्र काम करने से उसने इंकार किया है। प्रभुत्वशाली सामंती वर्ग इसे अपने लिए गरीब ग्रामीणों की सीधी चुनौती मानता है, जिसे भाजपा और उसके समर्थक पचा नहीं पा रहे हैं और इस योजना के कारण गांवों में मजदूर न मिलने का हल्ला मचाते हुए इसके खिलाफ खड़े हैं।

हमारे देश का सबसे धनी व्यक्ति 1236 करोड़ रुपए रोज कमा रहा है, जबकि मनरेगा में 8 घंटे हाड़-तोड़ काम करने वाले गांव के मजदूर को औसतन 200 रुपए ही मजदूरी मिलती है। सबसे गरीब और सबसे धनी व्यक्ति के बीच आय की असमानता 6.18 करोड़ गुना है। उल्लेखनीय है कि इस योजना के लागू होने के बाद से आज तक इसकी मजदूरी दर असंगठित अकुशल श्रमिकों के लिए तय न्यूनतम मजदूरी दर से भी बहुत नीचे बनी हुई है और देश का किसान आंदोलन इस योजना में काम देने और मजदूरी दर 600 रुपए करने की मांग को लेकर निरंतर आंदोलन कर रहा है। कोरोना जैसे कठिन संकटकाल में, जब शहरों से गांवों की ओर बड़ी भारी संख्या में पलायन हुआ था, यही योजना गरीब ग्रामीणों के जिंदा रहने का सहारा बनी थी और कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गई थी। मनरेगा का यही चरित्र आज भाजपा के निशाने पर है।

यह एक योजना के नाम को बदलने का साधारण मामला नहीं है। दरअसल मोदी राज में एक अधिकारप्राप्त नागरिक को कृपापात्र प्रजा में बदलने की जो मुहिम चल रही है, यह नया नामकरण उसी की ओर एक बढ़ा हुआ कदम है। प्रसाद मिलना सौभाग्य की बात होती है। न मिले, तो भी नाराज नहीं होना चाहिए। इस योजना के नए नामकरण में ऐसा ही श्रद्धाभाव समाया हुआ है। इसी वर्ष 10अक्टूबर-14 नवम्बर के बीच एक माह में 27 लाख मजदूरों के नाम निष्क्रियता के आधार पर हटा दिए गए हैं, जबकि यह एक मांग आधारित योजना है। संदेश सीधा है : अब यह एक सार्वजनिक-सार्वभौमिक योजना नहीं, खैरात बांटने वाली योजना है, जिसके हितग्राहियों का चयन सत्ताधारी पार्टी की कृपा से किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मूल योजना में महात्मा गांधी ग्रामीणों को मांगने पर रोजगार की गारंटी देते थे, लेकिन पूज्य बापू अब ऐसी कोई गारंटी देने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि नई योजना में 'गारंटी' शब्द हटा दिया गया है।

नई पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना के बारे में मोदी सरकार का पहला बड़ा प्रचार तो यही है कि रोजगार के दिनों की संख्या अब 100 से बढ़ाकर 125 कर दी गई है। यानी ग्रामीण मजदूरों को साल में ज्यादा दिनों तक काम मिलेगा। लेकिन कैबिनेट का यह निर्णय भरोसा इसलिए पैदा नहीं करता कि यह अब योजना अब काम की 'गारंटी' नहीं देती और पुराना अनुभव यह बताता है कि ग्रामीण परिवारों को गारंटी के बावजूद औसतन 35-40 दिनों का ही काम मिला है।

दूसरा बड़ा प्रचार है, न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाकर 240 रुपए प्रतिदिन कर दिया गया है। यह ठीक वैसे ही प्रचार है, जैसे मजदूरों पर श्रम कानूनों की जगह श्रम संहिता को थोपते हुए किया जा साथ है। वास्तविकता यह है कि संसद की स्थायी समिति ने न्यूनतम मनरेगा मजदूरी 400 रुपए प्रतिदिन करने की सिफारिश की है, जिसे 'पूज्य बापू' की आंखों से नजरअंदाज कर दिया गया है। आज भी कई राज्यों में मनरेगा मजदूरी केंद्र सरकार द्वारा घोषित इस न्यूनतम मजदूरी से ऊंची है। मसलन, इस समय हरियाणा में मनरेगा मजदूरी 400 रुपए, तो छत्तीसगढ़ में 261 रुपए है। इसलिए मोदी सरकार द्वारा घोषित यह न्यूनतम मजदूरी कई राज्यों को इस रोजगार योजना केडी लिए मजदूरी कम करने या फिर लंबे समय तक उन राज्यों में चल रही मजदूरी दरों पर स्थिर रहने को प्रेरित करेगा। ग्रामीण रोजगार योजना के लिए केंद्र द्वारा घोषित 240 रुपए प्रतिदिन की मजदूरी विभिन्न राज्यों में अकुशल श्रमिकों के लिए घोषित न्यूनतम दैनिक मजदूरी से तो बहुत नीचे तो है ही। विभिन्न राज्यों द्वारा अकुशल श्रमिकों के लिए जो न्यूनतम मजदूरी घोषित की गई है, उसके अनुसार यह दिल्ली में सबसे ज्यादा 18456 रुपए प्रति माह है, तो जम्मू कश्मीर में बहुत कम मात्र 8086 रूपए प्रति माह है। विभिन्न राज्यों का औसत लें, तो यह अकुशल मजदूरों के लिए 12485 रुपए प्रति माह बैठता है। इस हिसाब से ग्रामीण रोजगार योजना के लिए घोषित मजदूरी दर अकुशल मजदूरों के लिए घोषित न्यूनतम मजदूरी के अखिल भारतीय औसत से 42 प्रतिशत कम है। दिल्ली की तुलना में तो यह 61 प्रतिशत कम है और जम्मू-कश्मीर की तुलना में भी 11 प्रतिशत कम है। इस प्रकार, गोदी मीडिया के सहारे मोदी सरकार द्वारा बहुप्रचारित दावों में थोड़ी-सी भी सच्चाई नहीं है।

सरकारी रिकॉर्ड ही बताते हैं कि मनरेगा में काम करने वाले अधिकांश आदिवासी हैं, दलित हैं, पिछड़े वर्ग के हैं और महिलाएं हैं। इसलिए रोजगार की गारंटी हटने और अपने समकक्ष अकुशल मजदूरों की तुलना में बहुत कम मजदूरी पाने से प्रभावित होने वाले लोगों में यही ज्यादा है। मनुस्मृति भी सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के उत्पीड़न और उनके शोषण की ही हामी है। संघी गिरोह पर हमारे देश के गली-कूचों-सड़कों, शहरों-गांवों-स्टेशनों, योजनाओं और संस्थानों के नाम बदलने की सनक चढ़ी हुई है। वह इस देश को दुनिया के सामने 'हिंदू लुक' देने पर आमादा है। इससे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने में भी मदद मिलती है। लेकिन मनरेगा को पूबारे करने से कोई फायदा नहीं मिलने वाला, क्योंकि लोगों की जुबां पर यह योजना मनरेगा है और मनरेगा ही रहेगी। मनरेगा को गरीब ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तिकरण का औजार बनाने और मनरेगा की तर्ज पर शहरी रोजगार गारंटी योजना शुरू करने का संघर्ष जारी रहेगा।

हवा हवाई हुये हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा के 'जुमले'

-तनवीर जाफरी

-तनवीर जाफरी

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के अकुशल संचालन के चलते पिछले दिनों देशभर में भारी उड़ान संकट पैदा हो गया। हालांकि यह संकट मुख्य रूप से 2 दिसंबर 2025 से शुरू हुआ और 5 दिसंबर को अपने चरम पर जा पहुंचा था जब इंडिगो ने देश भर की अपनी लगभग एक हजार से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं । जिससे देश भर में हजारों यात्री विभिन्न शहरों में अकारण ही फंस गए थे । इस घटना ने केवल यात्रियों को ही परेशान नहीं किया, बल्कि एविएशन सेक्टर की कार्यकुशलता पर भी कई सवाल खड़े कर दिए। अभी तक पूरे देश में उड़ानों की स्थिति सामान्य नहीं हो सकी है। मुंबई,इंदौर,दिल्ली हैदराबाद व बेंगलुरु जैसे कुछ महत्वपूर्ण नगरों की इंडिगो उड़ान सेवाएं अभी भी प्रभावित होने के समाचार हैं। हवाई अड्डों पर जहां सामान्य दिनों में पहले ही भारी भीड़ इकट्ठा हो रही थी पिछले दिनों की अफरा तफरी के दौरान इन्हीं उड़ान प्रभावित हवाई अड्डों पर तो भीड़ का कुछ ऐसा दृश्य दिखाई दिया जैसा कि छठ-दिवाली व दशहरा जैसे त्योहारों के दौरान रेलवे स्टेशन पर नजर आता है।

हवाई संचालन में आये इस तरह के असामान्य व्यवधान के कई कारण बताये जा रहे हैं। इनमें नए पायलट और क्रू रेस्ट नियमों का प्रभाव, तकनीकी खराबी और ऑपरेशनल लापरवाही, मौसम, भीड़भाड़ और उड़ान शेड्यूल में बदलाव जैसी वजहें मुख्य रूप से शामिल हैं। इस अव्यवस्था के चलते देश भर में विमान यात्रियों को जिस शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना को सहन करना पड़ा वह तो अपनी जगह पर परन्तु दुर्भाग्यपूर्ण बात यह कि इस कई एयरलाइंस कंपनियों ने इसी अव्यवस्था का फायदा उठाकर देश के कई प्रमुख हवाई रूट्स पर किराए 2 से 10 गुना तक मंहगे कर दिए। उदाहरण स्वरूप दिल्ली-बेंगलुरु का सामान्य किराया जो 10,000 से 15,000 के मध्य होता था वह बढ़कर 70,000 तक और कुछ मामलों में तो 1 लाख से ज्यादा और एयर इंडिया पर नॉन स्टॉप फ़्लाइट का 1.02 लाख तक पहुँच गया था। इसी तरह दिल्ली-मुंबई का किराया 25,000से 60,000 तक और कुछ विमानों में 93,000 से भी अधिक हो गया था। जबकि एयरलाइंस कंपनियों द्वारा दिल्ली-चेन्नई के 40,000 से लेकर 80,000+ तक वसूल किये गये। दिल्ली-पुणे, गोवा, लखनऊ पर भी 20,000 से 50,000 से भी अधिक की टिकट बेची गयी। डिमांड-सप्लाई गैप के कारण खासकर इंडिगो की 60%+ मार्केट शेयर वाली फ़्लाट्स कैंसिल होने के कारण यात्रियों को दूसरी एयरलाइंस में शिफ़्ट होना ही था। इसी का लाभ एयर इण्डिया ,एयर इण्डिया एक्सप्रैस,इस्पाईस जेट व अकासा एयर जैसी कई विमानन कंपनियों ने उठाया। हालांकि बाद में सरकार ने किराए की इस बेतहाशा बढ़ोतरी पर अस्थायी कैप लगाई ताकि अनुचित किराया बढ़ोतरी रोकी जा सके।

अब विमानन क्षेत्र में मची इसी अफरातफरी के सन्दर्भ में जरा नरेंद्र मोदी का वह कथन याद कीजिये जब मार्च 2014 में सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा था कि ह्यमैं चाहता हूँ कि हमारे गाँव के गरीब, जो हवाई चप्पल पहनते हैं, वो हवाई जहाज में बैठें। मैं ये सपना देखता हूँ कि जिस गरीब की झोली में कभी दो जून की रोटी भी मुश्किल से आती थी, वो हवाई जहाज में सफर करे। क्या ये सपना देखना गुनाह है? मोदी ने यह 'भावनात्मक जुमले 'कई रैलियों में अलग-अलग शब्दों में दोहराये। यह भी सच है कि मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत में हवाई अड्डों के विकास और संचालन में काफी प्रगति हुई है। मुख्य रूप से क्षेत्रीय संपर्क योजना (उड़ान) के तहत कई नए हवाई अड्डे शुरू किए गए हैं, साथ ही पुराने बंद पड़े या कम उपयोग वाले हवाई अड्डों को पुनर्जीवित भी किया गया है। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में जहाँ इसी वर्ष मुंबई का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शुरू किया गया है वहीँ महर्षि बाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम से अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट, दोनी पोलो एयरपोर्ट, ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश), मोपाह एयरपोर्ट, गोवा (गोवा का दूसरा एयरपोर्ट), देवघर एयरपोर्ट, झारखंड, कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट, उत्तर प्रदेश, पाक्योंग एयरपोर्ट, सिक्किम (सिक्किम का पहला एयरपोर्ट),पसीघाट, जीरो, होलोंगी, तेजू (अरुणाचल प्रदेश); आगत्ती (लक्षद्वीप),रीवा (मध्य प्रदेश), अंबिकापुर (छत्तीसगढ़), सहारनपुर (उत्तर प्रदेश), सतना और दतिया (मध्य प्रदेश),अलीगढ़, आजमगढ़, चित्रकूट, मुरादाबाद, श्रावस्ती (उत्तर प्रदेश) आदि अनेक नये एयर पोर्ट विकसित किये गए हैं तो दिल्ली, लखनऊ, पुणे, ग्वालियर, जबलपुर जैसे कई हवाई अड्डों पर नये टर्मिनल का भी निर्माण किया गया है।

अब सवाल यह है कि विमानन क्षेत्र में होने वाले इस विकास से गरीबों को फायदा हुआ या विमानन कंपनियों को ? क्या आज इस बात की कल्पना की जा सकती है कि पैरों में हवाई चप्पल धारण करने वाली यानी देश की गरीब जनता या दूसरे शब्दों में वे 80 करोड़ लोग जिन्हें सरकार ने 5 किलो मुफ़्त राशन पर आश्रित बना दिया है ऐसे लोग जो दस हजार रुपए की हवाई यात्रा की टिकट भी नहीं खरीद सकते वे लोग वही टिकट विमानन संचालन संकट के समय भला सत्तर हजार की कैसे खरीद सकते हैं ? यदि नहीं तो मोदी के उन 'जुमलों ' की क्या हकीकत जिसमें वे दो जून की रोटी भी मुश्किल से खाने वाले गरीब की हवाई यात्रा की 'जुमलेबाजी ' करते हैं ? हाँ विमानन क्षेत्र में हो रहे विस्तार से स्पष्ट रूप से विमानन कंपनियों को फायदे जरूर हुये हैं। इंडिगो जैसी कंपनियां ही 66% से अधिक बाजार पर कब्जा कर चुकी हैं। इंडिगो ने तो अपनी स्थापना के तीन वर्षों में ही लाभ कमाना शुरू कर दिया, और लागत नियंत्रण (जैसे ईंधन दक्षता) से सालाना 850 करोड़ रुपये की बचत की। देश के अनेक छोटे बड़े हवाई अड्डों का संचालन व रखरखाव अडानी की कंपनियों द्वारा किया जा रहा है। जिसका फायदा अडानी को पहुँच रहा है। इस बीच में हवाई चप्पलों वाला या 2 वक़्त की रोटी भी न खाने पाने वाले किसी व्यक्ति की हवाई यात्रा की गुंजाईश ही कहाँ नजर आती है? इस तरह की 'जुमलेबाजियाँ' आकर्षक,लोक लुभावन व भावनाओं को छूने वाली तो जरूर हो सकती हैं परन्तु इनका वास्तविकता से कोई वास्ता नहीं। सच्चाई तो यह है कि गत दिनों आये विमान संकट ने हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा जैसे 'जुमले' ही हवा हवाई कर दिये।

विजन 2047 में टाइम-ऑफ-डे टैरिफ व्यवस्था भारत को न केवल ऊर्जा दक्ष बनाएगी

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत का बिजली क्षेत्र अब एक ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।दशकों तक देश में बिजली बिलिंग की प्रणाली मुख्यतः यूनिट-आधारित रही, जहाँ उपभोक्ता द्वारा खपत की गई कुल बिजली के आधार पर शुल्क तय होता था,समय का कोई विशेष महत्व नहीं होता था। किंतु बदलती ऊर्जा आवश्यकताओं बढ़ती मांग, नवीकरणीय ऊर्जा केविस्तार और ग्रिड प्रबंधन की जटिलताओं ने इस परंपरागत मॉडल को अप्रासंगिक बना दिया है।इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार और विद्युत नियामक संस्थाओं ने समय आधारित बिजली टैरिफ (टाइम ऑफ डे टैरिफ) को लागू करने का संभावित निर्णय की और अग्रसर है, जिसके तहत दिन, रात, सुबह और शाम अलग -अलग दरों पर बिजली बिल लगेगा। यह प्रणाली अगले 3 से 6 महीनों में चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में लागू की जा रही है।यह परिवर्तन कोई तात्कालिक प्रशासनिक निर्णय नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक सुदृढ़ कानूनी ढांचा, राष्ट्रीय ऊर्जा नीति, टैरिफ नीति संशोधन,और अंतरराष्ट्रीय अनुभवों पर आधारित रणनीति है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि विद्युत (संशोधन) विधेयक, 2025 को आधुनिक बिजली व्यवस्था की आवश्यकता और ऊर्जा संक्रमण की राष्ट्रीय रणनीति के अनुरूप तैयार किया गया एक प्रमुख सुधारात्मक प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य वितरण क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ाना,नियामकीय ओवरसाइट सुदृढ़ करना और उपभोक्ताओं को उनकी वास्तविक खपत के अनुसार भुगतान के लिए प्रेरित करना है।विधेयक की यह नींव पारंपरिक यूनिफॉर्म-टैरिफ मॉडल से हटकर मांग-आधारित समय- संवेदी कीमत निर्धारण की ओर ले जाने का एक महत्त्वपूर्ण कदम है,जिसका सबसे निर्णायक उपकरण समय-आधारित टैरिफ है।विधेयक की प्रमुख धारणाएँ, टीओडी टैरिफ का वैज्ञानिक व आर्थिक तर्क, कार्यान्वयन चुनौतियाँ स्मार्ट मीटरिंग और ग्रिड-समर्थन तकनीकों की भूमिका, उपभोक्ता-प्रभाव (वंचित वर्गों सहित) मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से हम इसका विश्लेषण करेंगे। साथियों बात अगर हम टाइम- ऑफ-डे टैरिफ क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? इसको समझने की करें तो, टाइम -ऑफ-डे टैरिफ वह व्यवस्था है जिसमें बिजली की कीमत इस बात पर निर्भर करती है कि बिजली किस समय उपयोग की जा रही है। उदाहरण के लिए,जब बिजली की मांग अत्यधिक होती है,जैसे शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक,उस समय दरें अधिक होंगी। वहीं जब मांग कम होती है,जैसे देर रात या दोपहर,तब बिजली सस्ती होगी। भारत में बिजली की मांग दिन के अलग- अलग समय पर अत्यंत असमान रहती है। पीक आवर्स में ग्रिड पर भारी दबाव पड़ता है,महंगे पावर प्लांट चालूकरने पड़ते हैं और कभी-कभी बिजली कटौती तक करनी पड़ती है। इसके विपरीत ऑफ-पीक समय में उत्पादन क्षमता का बड़ा हिस्सा निष्क्रिय रहता है।टीओडी टैरिफ का उद्देश्य मांग को संतुलित करना, ग्रिड स्थिरता बढ़ाना,और उपभोक्ताओं को समय के अनुसार खपत बदलने के लिए प्रेरित करना है।भारत में बिजली क्षेत्र का मूल कानूनी ढांचा विद्युत अधिनियम, 2003 (इलेक्ट्रिसिटी एक्ट,2003) है। यह अधिनियम केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को बिजली उत्पादन, वितरण और टैरिफ निर्धारण के लिए व्यापक अधिकार देता है। अधिनियम की धारा 61 और 62 विशेष रूप से टैरिफ निर्धारण से संबंधित हैं, जिनमें कहा गया है कि टैरिफ आर्थिक दक्षता, उपभोक्ता हित, और संसाधनों के कुशल उपयोग को ध्यान में रखते हुए तय किया जाएगा।समय आधारित टैरिफ इसी अधिनियम की भावना के अनुरूप है, क्योंकि यह बिजली संसाधनों के बेहतर उपयोग और लागत-आधारित मूल्य निर्धारण को प्रोत्साहित करता है।अधिनियम किसी एक समान दर की बाध्यता नहीं लगाता, बल्कि नियामक आयोगों को नवाचार की स्वतंत्रता देता है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय टैरिफ नीति 2016 और 2023 संशोधन की भूमिका इसको समझने की करें तो, टाइम -ऑफ-डे टैरिफ को वास्तविक रूप से अनिवार्य बनाने का कार्य राष्ट्रीय टैरिफ नीति (टैरिफ पालिसी) के माध्यम से किया गया। 2016 की टैरिफ नीति में पहली बार संकेत दिया गया कि बड़े उपभोक्ताओं के लिए समय आधारित टैरिफ अपनाया जाना चाहिए। किंतु यह प्रावधान सीमित और वैकल्पिक था।वास्तविक परिवर्तन 2023 में किए गए टैरिफ नीति संशोधन से आया। इस संशोधन में स्पष्ट रूप से कहा गया कि,डिस्कॉम को सभी उपभोक्ताओं के लिए चरणबद्ध तरीके से टाइम ऑफ डे टैरिफ लागू करना होगा।(1) स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं के लिए यह व्यवस्था प्राथमिकता से लागू की जाएगी।(2)राज्य विद्युत नियामक आयोगों को पीक और ऑफ-पीक घंटों की अधिसूचना करनी होगी।यह संशोधन ही वह प्रत्यक्ष नीति आधार है जिसके तहत अब देशभर में दिन-रात के हिसाब से बिजली दरें तय की जा रही हैं। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय विद्युत नीति और ऊर्जा संक्रमण का संदर्भ,राज्य विद्युत नियामक आयोगों की भूमिका,इसको समझने की करें तो,भारत की राष्ट्रीय विद्युत नीति का मूल उद्देश्य सस्ती, विश्वसनीय और सतत बिजली उपलब्ध कराना है।नीति यह स्वीकार करती है कि भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था में सौर और पवन ऊर्जा की हिस्सेदारी लगातार बढ़ेगी। चूंकि ये स्रोत समय-निर्भर होते हैं, इसलिए पारंपरिक फ्लैट टैरिफ उनके अनुकूल नहीं है।दिन में जब सौर ऊर्जा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होती है, उस समय बिजली सस्ती होनी चाहिए। वहीं रात में, जब सौर उत्पादन नहीं होता, दरें स्वाभाविक रूप से अधिक होंगी। टीओडी टैरिफ इसी तार्किक ऊर्जा संतुलन को लागू करता है।टाइम-ऑफ-डे टैरिफ बिना स्मार्ट मीटर के संभव नहीं है। इसी कारण भारत सरकार ने रीवैंप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत करोड़ों स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ता की बिजली खपत को रियल-टाइम में रिकॉर्ड करते हैं और यह बताने में सक्षम होते हैं कि किस समय कितनी बिजली उपयोग हुई।आरडीएसएस योजना का एक प्रमुख उद्देश्य ही यह है कि टैरिफ को डायनेमिक, पारदर्शी और तकनीक-आधारित बनाया जाए।टीओडी टैरिफ इसी योजना का स्वाभाविक परिणाम है।राज्य विद्युत नियामक आयोगों की भूमिका-हालाँकि नीति और दिशा -निर्देश केंद्र सरकार तय करती है, लेकिन वास्तविक टैरिफ निर्धारण का अधिकार राज्य विद्युत नियामक आयोगों के पास होता है। प्रत्येक राज्य अपने भौगोलिक, आर्थिक और खपत पैटर्न के अनुसार पीक और ऑफ-पीक समय निर्धारित करेगा।इसका अर्थ यह है कि दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु या उत्तर प्रदेश में पीक आवर्स अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मूल सिद्धांत समान रहेगा -भीड़ वाले समय में महंगी बिजली और खाली समय में सस्ती बिजली। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अनुभव और भारत की स्थिति इसको समझने की करें तो,टाइम-ऑफ-डे टैरिफ कोई भारतीय प्रयोग नहीं है। अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में यह प्रणाली वर्षों से लागू है। इन देशों के अनुभव बताते हैं कि टीओडी टैरिफ से(1)पीक डिमांड में 10-20प्रतिशत तक कमी आई (2) ग्रिड फेल्योर और ब्लैकआउट की घटनाएँ घटीं (3) उपभोक्ताओं की ऊर्जा दक्षता बढ़ी,भारत अब उसी वैश्विक ऊर्जा सुधार पथ पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन अपने सामाजिक- आर्थिक संदर्भ को ध्यान में रखते हुए।उपभोक्ताओं पर प्रभाव, अवसर और चुनौतियाँ,इस नई प्रणाली से उपभोक्ताओं को यह समझना होगा कि बिजली अब केवल कितनी नहीं, बल्कि कब उपयोग की जा रही है। जो उपभोक्ता वॉशिंग मशीन, पानी की मोटर, चार्जिंग और अन्य भारी उपकरण ऑफ-पीक समय में चलाएंगे, उनके बिल कम होंगे।हालाँकि शुरूआती दौर में जागरूकता की कमी, तकनीकी समझ और व्यवहारिक बदलाव चुनौती बन सकते हैं। इसलिए नीति में स्पष्ट किया गया है कि टीओडी टैरिफ क्रमिक रूप से लागू किया जाएगा, न कि एक झटके में। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नियम आधारित सुधार,न कि तात्कालिक निर्णय,भारत में समय आधारित बिजली टैरिफ किसी एक आदेश या घोषणा का परिणाम नहीं है।

समाज कल्याण न्यास के कार्याध्यक्ष नारायण पाटिल ने 7/12 की गलती सुधारने के तहसीलदार कार्यालय से शिविर लगाकर किसानों की समस्या का करे समाधान

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। सरकार जब खेती की जमीन के रिकॉर्ड को अपडेट करने के लिए सातबारा को आनलाइन अपडेट कर रही थी तो उसमें बड़ी संख्या में गलतियाँ की गईं और उन्हें ठीक करने में जान बूझकर देरी होने से तालुका के किसान परेशान हैं और रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने मांग की है कि 7/12 के गलत रिकॉर्ड को ठीक करने के लिए हर गाँव में कैंप लगाए जाएँ। समाज कल्याण न्यास के कार्याध्यक्ष नारायण पाटिल ने एक बयान में कही। सरकारी आदेश के अनुसार 7/12 का कंप्यूटराइजेशन जरूरी हो गया है। कंप्यूटराइज्ड सातबारा ट्रांसक्रिप्ट बनाने का काम संबंधित तलाठी को करना था। लेकिन संबंधित तलाठी ने ऐसा नहीं किया और 7/12 को कंप्यूटराइज करने के लिए प्राइवेट कैंडिडेट को कंप्यूटर चलाने के लिए रख लिया जिन्हें सातबारा की जानकारी नहीं थी, इसलिए सातबारा में कई तरह की गलतियाँ हो गईं, जैसे किसानों के नाम गलत लिखना और रकबा गलत दर्ज करना। किसानों को ऑनलाइन सातबारा में गलत एंट्री मिलने के बाद अब किसानों को गलती ठीक करने के लिए तहसीलदार के ऑफिस का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। किसानों ने तलाठी ऑफिस से अपने असली सातबारा के हिसाब से ऑनलाइन सातबारा रजिस्टर करने और गलती ठीक करने के लिए आवेदन करने को कहा है लेकिन सारी फॉर्मैलिटी पूरी करने के बाद भी इस गलती ठीक करने के बारे में तहसीलदार का कोई आदेश नहीं है, जिससे किसानों में चिंता का माहौल है। जबकि इस गलती ठीक करने के बारे में कम से कम एक हफ्ते में फैसला होने की उम्मीद थी और ये ऑर्डर आठ महीने से तहसीलदार ऑफिस में पड़े हैं। नारायण पाटिल ने मांग की है कि तहसीलदार कार्यालय किसानों की सातबारा गलतियों को ठीक करने के लिए गांव स्तर पर कैंप लगाकर किसानों को राहत दे। किसानों को गलती ठीक कराने के लिए तहसीलदार कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है, और तहसीलदार के लिए तलाठी द्वारा गलती ठीक करने के बारे में फाइल किए गए अप्लाई पर विचार करना और कलेक्टिव गलती ठीक करना संभव है। जिसके लिए समाज कल्याण न्यास के कार्याध्यक्ष नारायण पाटिल ने मांग की है कि तहसीलदार कार्यालय शिविर लगाकर किसानों की समस्या का निवारण करे।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय विमानतल का नाम दी.बा. पाटिल रखने के लिए गुंदवली गांव के रहवासियों ने किया जनजागृति रैली का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी लोकसभा के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने मांग की है कि नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय विमानतल का नाम दिवंगत लोकनेते दी.बा. पाटिल के नाम पर रखा जाए। केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए सांसद सुरेश म्हात्रे के नेतृत्व में 22 से 24 दिसंबर तक भिवंडी के मानकोली से नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय विमानतल तक पदयात्रा जनजागर मोर्चा आंदोलन का आयोजन किया गया है। जिसके लिये गुंदवली गांव के नागरिकों ने रविवार को गांव से एक विशाल पदयात्रा रैली निकाली और एक जनजागरण अभियान चलाया। स्थानीय नागरिकों ने मांग की कि नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय विमानतल का नाम जल्द से जल्द लोकनेते दी.बा. पाटिल के नाम पर रखा जाए। यह रैली टाल मृदुंग की धुन के साथ शुरू हुई इस रैली में जिला परिषद स्कूल गुंदवली के छात्र, ग्रामीण, युवा और महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हुए। केंद्र सरकार जानबूझकर स्थानीय लोगों की इस मांग को नजरअंदाज कर रही है, और अभी नहीं तो कभी नहीं कहावत के अनुसार, सभी नागरिकों को 22 दिसंबर को डी.बी. के सम्मान में शुरू होने वाले तीन दिन के पदयात्रा आंदोलन में हिस्सा लेना चाहिए। गुंडावली ग्राम पंचायत के उप सरपंच सुमित म्हात्रे ने नागरिकों से अपील की है कि समय आ गया है समाज के सभी जाति और वर्ग के नागरिक राजनीतिक पार्टी को अलग रखकर अपने अधिकारों के लिए एक साथ आएं और सरकार को जगाएं। इसके लिए स्थानीय नागरिकों में जागरूकता लाने के लिए पांच जिलों में दी.बा. के सम्मान में बड़ी संख्या में पदयात्रा आंदोलन किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत गुंदवली के पूर्व सरपंच मनेष म्हात्रे ने सभी नागरिकों से इस आंदोलन में हिस्सा लेने की अपील की है।

53वें तहसील स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में रामदास शिंदे को प्रयोगशाला सहायक वर्ग में मिला प्रथम स्थान

पालघर(उत्तरशक्ति)। नूतन विद्यामंदिर, उमरोली में पालघर तहसील द्वारा आयोजित 53वीं तहसील स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी (सत्र 2025-26) उत्साहपूर्वक संपन्न हो गई। इस विज्ञान प्रदर्शनी में प्रयोगशाला सहायक वर्ग से सेवा आश्रम विद्यालय, बोईसर के बहुमुखी एवं विद्यार्थियों के प्रिय प्रयोगशाला सहायक रामदास शिंदे ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इस उल्लेखनीय सफलता के कारण उनका चयन आगामी जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए किया गया है। विशेष बात यह है कि पिछले लगातार 10 वर्षों से शिंदे सर प्रथम स्थान प्राप्त कर रहे हैं, जो सेवा आश्रम विद्यालय, बोईसर के लिए अत्यंत गर्व की बात है। उनके सतत कार्य और प्रयोगशील दृष्टिकोण के कारण विद्यालय की प्रतिष्ठा क्षेत्र में बढ़ी है। इस सफलता के पीछे सेवा आश्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य, पर्यवेक्षक, सहकारी प्रयोगशाला सहायक तथा विज्ञान शिक्षकों का मार्गदर्शन और प्रेरणा रही है। शिंदे सर की इस उपलब्धि पर सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए रामदास शिंदे का सभी स्तरों से अभिनंदन किया जा रहा है तथा आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दी जा रही हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पालघर जिले में सिकल सेल जनजागरूकता सप्ताह की हुई शुरूआत

तीन वर्षों में 5 लाख से अधिक लोगों की हुई जांच, 12,421 वाहक एवं 975 मरीज पंजीकृत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के अंतर्गत जिले में सिकल सेल रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, रोग का शीघ्र निदान करने तथा मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 से 17 दिसंबर की अवधि में सिकल सेल जनजागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस अभियान के तहत जिले के शासकीय अस्पतालों, उपजिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं उपकेंद्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम और जांच शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। गुरुवार 11 दिसंबर से इन शिविरों की शुरूआत हो चुकी है और बुधवार 17 दिसंबर तक इन्हें नियमित रूप से संचालित किया जायेगा।

पालघर जिले में वर्ष 2021 से अब तक कुल 5,14,934 नागरिकों की सिकल सेल जांच की गई है, जिनमें 12,421 सिकल सेल वाहक तथा 975 सिकल सेल रोगी पाये गये हैं। इन सभी मरीजों की जानकारी सिकल सेल पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की गई है तथा उन्हें शासन की ओर से निःशुल्क औषधोपचार, आवश्यकता अनुसार रक्त आपूर्ति और परामर्श सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। साथ ही पात्र मरीजों को संजय गांधी निराधार योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। सिकल सेल एक आनुवंशिक और रक्त कोशिकाओं से

संबंधित रोग है, जो माता-पिता से संतान में संक्रमित होता है। इस रोग में लाल रक्त कोशिकाएं दरांती (हंसिया) के आकार की और कठोर हो जाती हैं। ये विकृत कोशिकाएं रक्त वाहिकाओं में अवरोध उत्पन्न करती हैं, जिससे संबंधित अंगों में रक्त आपूर्ति बाधित होती है और मरीजों को तीव्र तथा असहनीय दर्द सहना पड़ता है। इसका आंखों, प्लीहा, यकृत, त्वचा तथा अन्य अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यद्यपि सिकल सेल रोग का पूर्ण उपचार उपलब्ध नहीं है, लेकिन समय पर जांच, नियमित उपचार, संतुलित आहार और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने से इस रोग पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सकता है।

वाहक-वाहक, वाहक-रोगी या रोगी-रोगी के बीच विवाह होने पर संतान के सिकल सेल वाहक या रोगी होने की संभावना अधिक होती है, इसलिए विवाह पूर्व सिकल सेल जांच अत्यंत आवश्यक है, ऐसा स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है। सिकल सेल रोग के लक्षणों में रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी, हाथ-पैरों में सूजन, भूख न लगना, जोड़ों में दर्द, जल्दी थकान होना, चेहरे का निस्तेज दिखना, छोटे बच्चों में बार-बार संक्रमण होना तथा शरीर का पीलापन शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर उन्हें नजरअंदाज न करते हुए तुरंत जांच कराने की अपील की गई है। सिकल सेल रोगियों को शासन द्वारा निःशुल्क दवाइयां, रक्त आपूर्ति, परामर्श सेवाएं तथा संजय गांधी निराधार योजना के अंतर्गत आर्थिक लाभ प्रदान किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, दसवीं और बारहवीं में अध्ययनरत सिकल सेल रोगी विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान प्रत्येक विषय के लिए 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाता है, साथ ही एस.टी. बस यात्रा में रियायत की सुविधा भी उपलब्ध है। पालघर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने जिले के अधिक से अधिक नागरिकों से सिकल सेल जांच कराने एवं इस जनजागरूकता सप्ताह में सक्रिय सहभाग लेने की अपील की है।

संत सावळाराम महाराज म्हात्रे कमान व विघ्नहर्ता मंडळ प्रवेशद्वार का उद्घाटन

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली पश्चिम में संत सावळाराम महाराज म्हात्रे कमान व विघ्नहर्ता मंडळ प्रवेशद्वार का उद्घाटन रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के द्वारा किया गया। बतादें की कोपरगाव-डोंबिवली संत सावळाराम महाराज का पवित्र जन्मस्थान है, और उनके नाम पर यह कमान बनाई गई है। इस अवसर पर वारकरी संप्रदाय प्रसारक मंडळ ठाणे व रायगड जिल्ह्याचे अध्यक्ष ह.भ.प. चेतन महाराज म्हात्रे, भाजपा कल्याण जिल्हाध्यक्ष नंदू परब, भाजपा अनुसूचित जाती मोर्चा प्रदेश महामंत्री शशिकांत कांबळे, डोंबिवली पश्चिम मंडल अध्यक्ष पवन पाटील, महिला मोर्चा सरचिटणीस डोंबिवली पश्चिम मंडल ज्योतीताई पवन पाटील, माजी स्थायी समिती सभापती दीपेश म्हात्रे, माजी नगरसेवक महेश पाटील और अन्य पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शहीद भगत सिंह विचार मंच व भाजपा वार्ड-86 की ओर से जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी व सलवार-सूट वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक संस्था शहीद भगत सिंह विचार मंच व भाजपा वार्ड-86 की ओर से शनिवार देर शाम अंधेरी (पूर्व) के चिम्मटपाड़ा स्थित दशमेश दरबार गुरुद्वारा के पास कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी एवं सलवार-सूट का कपड़ा वितरित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व सांसद पूनम महाजन ने शहीद भगत सिंह विचार मंच द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं की ओर संकेत करते हुए कहा कि जब महिलाएं शांत और सशक्त रहती हैं, तब देश में क्रांति होती है। पुरुषों की प्रगति में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान

रहता है। विधानसभा चुनाव 2024 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देवा भाऊ की लाडली बहनों ने ही उन्हें मुख्यमंत्री बनाया और महायुति की सरकार गठित करवाई। उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीति नहीं, बल्कि समाजनीति करती है। भाजपा जब मजबूत होगी, तभी देश मजबूत होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी मनपा चुनाव में घर की लक्ष्मी महिलाएं पूरी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ भाग लेकर मनपा में कमल खिलाने का कार्य करेंगीं। वार्ड-86 में भी कमल खिलेगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है। शहीद भगत सिंह विचार मंच के चेयरमैन साहेब सिंह संधू ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान लगभग 3000 महिलाओं को साड़ी और सलवार-सूट का कपड़ा वितरित किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया,जिनके विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शहीद भगत सिंह विचार मंच के अध्यक्ष सरबजीत सिंह संधू ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

पत्रीपूल इलाके में रेलवे लाइन से सटे नाले की दीवार बनाने का भूमिपूजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के पूर्व नगरसेवक नवीन गवली के प्रयासों से पत्रीपूल इलाके में रेलवे लाइन से सटी नाली की रिटेनिंग वॉल का निर्माणकार्य जल्द ही शुरू होने वाला है। रविवार को स्थानिक नागरिकों के हाथों श्रीफल तोड़कर भूमिपूजन संपन्न हुआ। केडीएमसी प्रभाग क्रमांक 43 गांवदेवी मेट्रो मॉल के अंतर्गत आने वाले पत्रीपूल में रेलवे लाइन से सटे नाले की सुरक्षा दीवार नहीं होने से बरसात के मौसम में स्थानिक नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नागरिकों की समस्या को देखते हुए यहां के स्थानिक पूर्व नगरसेवक नवीन गवली ने लगातार प्रयास कर महापालिका के माध्यम से फंड प्राप्त किया। सुरक्षा दीवार बनने से बारिश के मौसम में स्थानिक लोगों को काफी राहत मिलेगी।

नागरिकों ने नवीन गवली का माना आभार

इस अवसर पर सुभाष गायकवाड़, शाखा प्रमुख राजू उजगरे, संदीप माने, अन्नू डोंगरे, स्थानिक नागरिक आबिद मोमिन, फहीम सय्यद, इस्माइल पठान, आकिब खान, अलका त्रिभुवन, तारा शेख सहित स्थानिक महिला नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

इस दौरान स्थानिक महिला नागरिक तारा शेख ने नवीन गवली का आभार प्रकट करते हुए कहा कि नवीन गवली ने प्रभाग की हर समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया है।

उन्होंने शुभकामनाएं दी कि आने वाले चुनाव में नवीन गवली दुबारा नगरसेवक बने।

मुंबई की कविता चंद ने रचा इतिहास, अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी फतह कर भारत को किया गौरवान्वित

मुंबई/अंटार्कटिका (उत्तरशक्ति)। कविता चंद (40) ने अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट विंसन (4,892 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर भारत का नाम रोशन किया है। कविता ने 14 दिसंबर 2025 को स्थानीय समयानुसार रात 8:30 बजे शिखर पर पहुंचकर यह उपलब्धि हासिल की। वर्तमान में मुंबई में निवास कर रहीं कविता की इस ऐतिहासिक सफलता की गूंज उनके गृह राज्य उत्तराखंड तक सुनाई दे रही है, जहां पहाड़ों से निकलकर दुनिया की सबसे दुर्गम चोटियों तक पहुंचने की उनकी यात्रा को गर्व के साथ सराहा जा रहा है। माउंट विंसन पर चढ़ाई कविता के प्रतिष्ठित सेवन समिट्सलक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम है, जिसके तहत दुनिया के सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों को फतह किया जाता है। इससे पहले वह यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस पर भी सफलतापूर्वक चढ़ाई कर चुकी हैं, जिससे वह इस चुनौती को पूरा करने की मजबूत स्थिति में पहुंच गई हैं।

दुनिया की सबसे कठोर और चुनौतीपूर्ण चोटियों में गिने जाने वाले माउंट विंसन पर अत्यधिक ठंड, पूर्ण एकांत और अंटार्कटिका के अप्रत्याशित मौसम जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। कविता का यह अभियान 3 दिसंबर को भारत से रवाना होने के साथ शुरू हुआ। वह 4 दिसंबर की शाम चिली के पुंटा एरेनास पहुंचीं और 7 दिसंबर की दोपहर यूनियन ग्लेशियर के लिए उड़ान भरी। उसी दिन बाद में वह लगभग 2,100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित विंसन बेस कैंप पहुंचीं। यूनियन ग्लेशियर से बेस कैंप तक का अंतिम सफर स्की-सुसज्जित छोटे विमान से लगभग 40 मिनट में पूरा किया गया, जो अंटार्कटिका अभियानों से जुड़ी जटिल लॉजिस्टिक्स को दशार्ता है। इस अभियान का नेतृत्व प्रसिद्ध हाई-एल्टीट्यूड गाइड मिंग्मा डेविड शेरपा ने किया। भारतीय दल को अनुभवी पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी और उनकी एक्सपेडिशन कंपनी बूट्स एंड क्रैम्पन का सहयोग प्राप्त रहा। उनके मार्गदर्शन में नौ सदस्यीय भारतीय टीम ने शिखर तक सफलतापूर्वक पहुंच बनाई, जहां सावधानीपूर्वक योजना, उचित अनुकूलन (एक्लिमेटाइजेशन) और मौके पर मजबूत समन्वय ने अति-प्रतिकूल अंटार्कटिक परिस्थितियों से निपटने में निर्णायक भूमिका निभाई। अपनी इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कविता चंद ने कहा, ह्लमाउंट विंसन के शिखर पर भारतीय तिरंगा फहराना शब्दों से परे एक सम्मान है। मैं उम्मीद करती हूं कि यह उपलब्धि पेशेवरों को यह विश्वास दिलाएगी कि फिटनेस, महत्वाकांक्षा और करियर की सफलता एक साथ आगे बढ़ सकती हैं।

रातोड़ी गांव में नई सड़क का शिलान्यास, स्थानीय नागरिकों को मिलेगी राहत

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत सप्ताला में रातोड़ी गांव कॉर्नर से अंगई तक बनने वाली नई सड़क के विकास कार्य का आज औपचारिक शिलान्यास वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित के हाथों संपन्न हुआ। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को दैनिक आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और इलाके के समग्र विकास को गति मिलेगी।

शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर इखढ वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, जिला सचिव कल्पेश नाइक, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी, प्रफुल्ल ठाकुर, विक्टर लोबो, पूर्व नगरसेविका ज्योति ठाकुर, एंटन लोबो, जैकब कोरिया, प्रकाश डिकुन्हा, मर्शान लोबो, उमेश पाटिल, कविता पाटिल, नितिन ठाकुर, संदीप पाटिल, चंद्रकांत पाटिल, मयूर नाइक, देवदत्त मेहर, निनाद नाइक, अक्षय कदम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि क्षेत्र की बुनियादी जरूरतों को

प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सड़क के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि स्थानीय आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

महेश गायकवाड़ के माध्यम से शहर के अनेकों सोसायटी में लगाया गया कैमेरा

कैमेरा से होगी नागरिकों के जान माल की सुरक्षा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के नेता महेश गायकवाड़ और मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की तरफ से कल्याण पूर्व के केडीएसी पैनल के जय श्रीराम सोसायटी, निसर्ग सोसायटी, विशाल नगरी कॉम्प्लेक्स और आमराई के सोहन टॉवर में सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। यह उपक्रम नागरिकों की सुरक्षा, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, और समाज में सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए किया गया है। इस अवसर पर उपशहर प्रमुख प्रशांत बोटे, विभाग प्रमुख शंकर पाटील, उपविभाग प्रमुख सुमेध हूमणे, शुभांगी मुट्टेकर, ज्योत्स्ना हुमणे, मनोज बेलमकर, नीना बेलमकर, केळजी और अन्य शिवसेना के पदाधिकारी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर शिवसेना के नेता महेश गायकवाड़ ने कहा की जनता की सुरक्षा और सुविधा के लिए काम करना सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मेरा कर्तव्य है की मैं लोगों के काम इसी तरह आगे भी करता रहूं।

महुआ में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी का उद्घाटन

मुंबई/वैशाली। वैशाली जिले के महुआ क्षेत्र में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी की नई शाखा का विधिवत शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री उमा नाथ सिंह ने रिबन काटकर स्टोर का उद्घाटन किया और कहा कि ई- मेडिक्स जैसी संगठित फामेर्सी सेवाएँ ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करेंगी। इस अवसर पर फ्रेंचाइजी ओनर श्री राहुल कुमार ने बताया कि ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी के माध्यम से महुआ एवं आसपास के लोगों को अब गुणवत्तापूर्ण ब्रांडेड दवाइयाँ, उचित मूल्य और भरोसेमंद सेवा एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती उषा सिंह, श्रीमती मनीषा चौहान, श्री आलोक कुमार, डॉ. राधे बाबू (चाइल्ड केयर हॉस्पिटल, महुआ), डॉ. शिवनाथ कुमार एवं डॉ. मृत्युंजय उपस्थित रहे। अतिथियों ने इस पहल को क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम बताया। नया स्टोर 20% तक की छूट, फ्री होम डिलीवरी, स्मार्ट बिलिंग और त्वरित सेवा जैसी सुविधाओं के साथ ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करेगा।

वसई के कलंब क्षेत्र में केडी रोड व सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न

कलंब वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विधानसभा क्षेत्र के कलंब इलाके में केडी रोड एवं सुरक्षा दीवार निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विकास कार्य का भूमि पूजन समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में पालघर जिले के सांसद डॉ. हेमंत सावरा तथा वसई की लोकप्रिय विधायक स्नेहा दुबे पंडित प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

यह विकास कार्य क्षेत्र के नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक और गुणवत्तापूर्ण परिवहन सुविधा उपलब्ध कराएगा। साथ ही मानसून के दौरान होने वाली समस्याओं से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। भूमि पूजन समारोह में विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ केडी घरात, महेंद्र पाटिल, रामदास मेहर, कलंब ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती अमिता कपिल म्हात्रे, ग्राम पंचायत सदस्य कपिल म्हात्रे, नवनीत निजाई, विद्याधर म्हात्रे, जगदीश किणी, दिनेश घरात, हिम्मत किणी, जितेंद्र मेहर, प्रकाश जोशी, संदीप पाटिल, सुधीर मेहर, चंद्रकांत वाजे सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

इसके अलावा श्रीमती ज्योत्सना मेहर, श्रीमती अश्विनी निजाई, श्रीमती नीलिमा टंडेल, श्रीमती मनीषा किणी, श्रीमती माया मेहर, श्रीमती रेंटली मेहर, श्रीमती प्रतिभा किणी, श्रीमती पुष्पा निजाई, विजय मेहर, चंद्रकांत पाटिल तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि ह्लजन सुरक्षा के साथ सर्वांगीण विकास हमारा संकल्प है और भविष्य में भी कलंब क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ प्रतिबंधित चाइनीज मांझा, फिर एक युवक की गर्दन कटी

एक ओर जहां धरपकड़ की कार्रवाई चल रही है, वहीं दूसरी ओर नहीं थम रहा जानलेवा मांझा का कहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ है। लगातार हो रही घटनाओं से बाइक सवारों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोगों में यह डर गहराता जा रहा है कि न जाने अगला शिकार कौन होगा।

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों चाइनीज मांझे की चपेट में आने से एक शिक्षक की दर्दनाक मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद जिला प्रशासन की नींद टूटी और चाइनीज मांझा की बिक्री व उपयोग के खिलाफ धरपकड़ की कार्रवाई शुरू की गई। बावजूद इसके, शहर में इसका अवैध इस्तेमाल थमने का नाम नहीं ले रहा है।

ताजा मामला शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के इशापुर मोहल्ले का है,

जहां निवासी सोल्जर यादव पुत्र संतोष यादव उस समय गंभीर रूप से घायल हो गया, जब वह घर से बाइक पर सवार होकर निकला ही था। मोहल्ले में फैले चाइनीज मांझे की चपेट में आने से उसकी गर्दन कट गई। गनीमत रही कि समय रहते उसे उपचार मिल गया और उसकी जान बच सकी।

घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से चाइनीज मांझा बेचने और उड़ाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की जानलेवा घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

प्रशासन की ओर से लगातार कार्रवाई के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चाइनीज मांझा आज भी लोगों की जान के लिए खतरा बना हुआ है।

पंकज चौधरी का प्रशासनिक और केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य करने का अनुभव प्रदेश संगठन के लिए होगा फायदेमंदः पीयूष गुप्ता

पंकज चौधरी का निर्विरोध चयन होना पार्टी संगठन की मजबूती और नेतृत्व में कार्यकताओं के विश्वास को दर्शाता हैः आमोद सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी को आखिरकार अपना नया अध्यक्ष मिल गया है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के निर्विरोध निर्वाचन का ऐलान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में लखनऊ के लोकभवन में आयोजित समारोह में किया।

उक्त कार्यक्रम को जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय पर कार्यकताओं ने टीवी पर लाइव देखा और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दिया।

जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने कहा कि ये कहते हुए मुझे खुशी हो रही है कि सर्वसम्मति से पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में घोषित किया गया है निश्चित रूप से पार्टी को उत्तर प्रदेश में और अधिक मजबूत करने में उनका अनुभव और उनकी कार्य कुशलता काफी मददगार साबित होगी। उन्होंने

आगे कहा कि पंकज चौधरी का प्रशासनिक अनुभव और केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में कार्य करने का अनुभव उत्तर प्रदेश संगठन के लिए फायदेमंद होगा। उनके मार्गदर्शन में पार्टी आगामी चुनावों में बेहतर रणनीति के साथ जनता तक पहुंचेगी और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सफल होगी।

जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने कहा कि पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल करने वाले इकलौते नेता थे शनिवार को पंकज चौधरी ने जब अपना नामांकन पत्र दाखिल किया तब इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी प्रस्तावक थे, पंकज चौधरी का निर्विरोध चयन होना पार्टी संगठन की मजबूती और नेतृत्व में कार्यकताओं के विश्वास को दशार्ता है। उन्होंने पंकज चौधरी को अनुभवी, कर्मठ और जमीनी नेता बताया। उन्होंने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भाजपा और अधिक सशक्त होगी तथा संगठनात्मक कार्यों को नई दिशा व ऊर्जा मिलेगी यह भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही विकास योजनाओं को संगठनात्मक स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। सभी कार्यकताओं ने पंकज चौधरी के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की उम्मीद व्यक्त की।

उक्त अवसर पर रोहन सिंह सिद्धार्थ राय परविंदर चौहान इंद्रसेन सिंह घनश्याम यादव प्रमोद प्रजापति संदीप सिंह उमेश सिंह आदित्य मौर्य शुभम मौर्य आशुतोष उपाध्याय अमित पाठक के के विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

मोहम्मद असलम खॉन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की तहसील इकाई केराकत ने ग्रामीण पत्रकारों की ज्वलंत समस्याओं के समाधान को लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को ज्ञापन भेजा है। यह ज्ञापन विधानसभा क्षेत्र केराकत के विधायक तूफानी सरोज के माध्यम से सौंपा गया।

प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र नाथ सिंह के निर्देश और जिलाध्यक्ष संजय अस्थाना के दिशा निर्देशन में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, राज्य का सबसे बड़ा पत्रकार संगठन है। संगठन प्रदेश की 18 मंडलों, 75 जनपदों और 551 तहसीलों में सक्रिय है। बावजूद इसके ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों को आज

भी सरकारी सुविधाओं और सुरक्षा से वंचित रहना पड़ रहा है।

एसोसिएशन ने मांग की है कि तहसील स्तर पर मान्यता प्रदान करने की स्पष्ट व्यवस्था की जाए तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी पुराने आदेशों को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। इसके साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा के लिए जिला व तहसील स्तर पर स्थायी समिति का गठन कर नियमित बैठकें कराई जाएं।

ज्ञापन में ग्रामीण पत्रकारों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा, उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा, प्रदेश स्तरीय मान्यता एवं विज्ञापन मान्यता समितियों में संगठन के प्रतिनिधियों को सदस्य बनाए जाने की भी मांग की गई है।

इसके अलावा राजधानी लखनऊ में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के लिए कार्यालय हेतु निःशुल्क भवन उपलब्ध कराने, ग्रामीण पत्रकार आयोग के गठन तथा पत्रकारों से जुड़े मामलों में प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज करने से पहले सक्षम अधिकारी द्वारा जांच कराए जाने की भी मांग प्रमुख रूप से रखी गई है।

तहसील अध्यक्ष संजय शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार सीमित संसाधनों में कार्य करते हुए लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मजबूत कर रहे हैं। यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए तो पत्रकारिता और अधिक सशक्त होगी।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने शासन से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है। इस अवसर पर दीपनारायण सिंह, सतीश पाठक रिंकू, श्रीप्रकाश सरोज पप्पू, राजेश कुमार यादव, मोहम्मद खान असलम, विनोद यादव आदि रहे।

मीरगंज के करियाव गांव का अटल मनरेगा पार्क बदहाली का शिकार, कूड़े-गंदगी का अंबार

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास कार्यों के तहत बने करियाव गांव के अटल मनरेगा पार्क की हालत इन दिनों बेहद दयनीय बनी हुई है। पार्क परिसर में जगह-जगह कूड़े-कचरे का अंबार लगा है, जिससे आसपास दुर्गंध फैल रही है। हैरानी की बात यह है कि इस पार्क की साफ-सफाई और देखरेख को लेकर कोई भी जिम्मेदार विभाग या अधिकारी संज्ञान नहीं ले रहा है।

पार्क में लगे हैंडपंप से निकलने वाला पानी पेड़ों की जड़ों में जाकर जमा हो रहा है, जिससे जमीन दलदली बन गई है। वहीं पार्क परिसर में बना सुलभ शौचालय पूरी तरह क्षतिग्रस्त अवस्था में है। न तो बाथरूम और न ही लैटरिंग की व्यवस्था ठीक है, चारों ओर गंदगी फैली हुई है।

व्यायाम के लिए लगाए गए उपकरण भी टूट-फूट का शिकार हो चुके हैं। लोगों के टहलने और बच्चों के खेलने के लिए बनाया गया यह अटल मनरेगा पार्क अब मवेशियों के चरने का अड्डा बन गया है। मवेशियों के कारण लोग पार्क में आने से कतराने लगे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पार्क की रख-रखाव के लिए कर्मचारी तैनात किए गए थे, लेकिन अब उनका कोई पता नहीं है। नियमित सफाई और देखरेख के अभाव में अटल मनरेगा पार्क पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि अटल मनरेगा पार्क की तत्काल साफ-सफाई कराई जाए, क्षतिग्रस्त शौचालय व व्यायाम उपकरणों की मरम्मत कराई जाए तथा नियमित देखरेख के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर मारपीट करने वाले 2 बाल अपचारी सहित 4 गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली पुलिस टीम द्वारा वायरल

वीडियो को संज्ञान में लेकर मारपीट करने वाले 2 बाल अपचारी सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक-13.12.2025 को थाना कोतवाली अंतर्गत एक वीडियो संज्ञान में आया, जिसमे दो व्यक्ति बाबा के भेष मे थें एवं उनको कुछ अज्ञात लोगो द्वारा मारा-पीटा जा रहा था। सूचना पर पुलिस द्वारा दोनों व्यक्ति को थाना स्थानीय पर लाया गया एवं साधु विवेक पुत्र रामसरन निवासी जोगीपुर थाना कोतवाली सिटी जनपद हरदोई की तहरीर पर मु0अ0सं0-368/25 धारा-115(2)/352/351(3) बीएनएस बनाम कुछ अज्ञात व्यक्ति पंजीकृत कर चिकित्सीय परीक्षण भी कराया गया। थाना स्थानीय पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 02 बाल अपचारी सहित 04 व्यक्तियों को चिन्हित कर पुलिस हिरासत में लिया गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार व्यक्तियों का विवरण-कृष सोनकर पुत्र संजय सोनकर निवासी मछ्लीशहर पड़ाव थाना कोतवाली जौनपुर। सूरज सोनकर पुत्र श्यामजी सोनकर निवासी रुहट्टा थाना कोतवाली जौनपुर।

शोभायात्रा के साथ मनाया श्रीश्री ठाकुर के जन्म महोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सत्संग विहार, कमला नगर, हुसैनाबाद के तत्वावधान में रविवार को बीआरपी इण्टर कालेज मैदान में श्रीश्री ठाकुर अनुकूल चन्द्र जी का 138 वाँ जन्म महोत्सव भव्य शोभायात्रा के साथ मनाया गया। जिसमें विभिन्न प्रान्तों व प्रदेश के जनपदों से ठाकुर के परम अनुभवी, उत्कृष्ट एवं विद्वान साधकों द्वारा परम दयाल के जीवन धारा पर प्रकाश डाला गया। शोभा यात्रा में हरि बोल और राधा बोल के कीर्तन से नगर

लगातार गुंजायमान हो रहा था। यात्रा रोडवेज, जेसीज चौराहा, ओलन्दगंज होकर चहारसू से सदभावना पुल से वापस लौटी। इसमें ठाकुर का विशाल तैल चित्र ट्रैक्टर पर आगे चल रहा था। इसके बाद कीर्तन करते गुरूभाई माताये और बहने तथा हजारो की संख्या के लोग अनुशासित होकर चल रहेक थे। तत्पश्चात मातृ सम्मेलन और धर्म सभा तथा मेडिकल कैम्प आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ो लोग लाभान्वित हुए। धर्म सभा का विषय था श्रीश्री ठाकुर का संत्संग समस्त विश्व को परिवार के देखता है। इस प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनके बताये सिद्धान्त यजन, याजन, ईष्ट भृत्ति, स्वसैनी और सदाचार से जीवन में उत्तरोत्तर वृद्धि की जा सकती है। विवाह नीति के बारे में ठाकुर का निर्देश है बच्चे सुस्कारित हो। जब तक पति पत्नी में प्रेम नहीं होगा बच्चे सही रास्ते पर नहीं चलेगे। सुप्रजनन के द्वारा अच्छे बच्चों को जन्म देने से ही परिवार और समाज का कल्याण होगा। उनका कहना था सबसे पहले मानव बनना जरूरी है। मर्नुभव की भावना से ही सभी समस्याओं का निदान संभव है। कामिनी कांचन से बचने का हर संभव प्रयास हो इसे न्युन किया जाय। मन न जगाये रंगाये जोगी कपड़ा। जीवन में आगे बढ़नें के लिए आदर्श पर चलना जरूरी है। आदर्श से जुड़े रहे उनके प्रत्येक निर्देश का पालन करें। धर्म जीवन को सही मार्ग पर चलना सिखाता है। सदगुरू के सरणापन्न रहे सतनाम का मनन करे तुम्हे अपने उन्नयन के लिए कुछ नहीं सोचना होगा। ठाकुर का कहना है कि चाह की अप्राप्ति ही है दुःख। किसी से कुछ मच चाहो दुःख तुम्हारा क्या करेगा। तुम किसी के दुःख का कारण न बनो कोई तुम्हारे दुख का कारण नहीं बनेगा। इसके पूर्व स्वागत भाषण एसपीआर काली प्रसाद सिंह एडवोकेट ने किया। सभा को एसपीआर श्यामल गांगुली नई दिल्ली, एसपीआर प्रकाश चन्द झा गोरखपुर, डा0 आशीष घोष पन्तनगर, एसपीआर दीपी राग वैद्य काशी, शिवनाथ यादव बरेली, प्रो0 अपरएन त्रिपाठी ने सम्बोधित किया। संचालन डा0 दीपक सिंह व आभार डा0 निलेश कुमार श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

भगवत कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित व श्रीकृष्णझ्रसुदामा की स्नेहपूर्ण मित्रता का भावपूर्ण वर्णन

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर में सनातन एकता सेवा संघ और सुगम्या फाइनेंस द्वारा समन्वय परिवार में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस की कथा व्यास पूज्य गुरुदेव अखिलेश्वरानंद महाराज ने सुदामा चरित का मार्मिक प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान श्रीकृष्ण और सुदामा की आदर्श मित्रता का जीवंत वर्णन किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा में बताया गया कि सुदामा की निर्धनता और उनके निष्कपट प्रेम से श्रीकृष्ण अत्यंत प्रसन्न हुए। द्वारकाधीश श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा का आदर-सत्कार कर यह संदेश दिया कि सच्ची मित्रता में वैभव, पद और ऐश्वर्य का कोई महत्व नहीं होता। सुदामा द्वारा लाए गए चावल को प्रेमपूर्वक स्वीकार करना और उनके चरण धोना, भगवान की करुणा और विनम्रता का प्रतीक बताया गया।

कथा व्यास ने कहा कि

श्रीकृष्णझ्रसुदामा की मित्रता समाज को यह शिक्षा देती है कि अहंकार त्याग कर प्रेम, सेवा और विश्वास को अपनाना ही सच्चा धर्म है। सुदामा को बिना मांगे ही वैभव का वरदान मिलना निष्काम भक्ति का फल बताया गया।

विश्राम दिवस पर भजन-कीर्तन, आरती और महा प्रसाद वितरण हुआ जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कथा में मुख्य अतिथि पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष निशा सिंह, समाज सेवी मनोज पांडे तथा मुख्य यजमान अवधेश मिश्र,राज वर्मा,सतीश तिवारी के साथ राकेश त्रिपाठी, मिथलेश मिश्र, आशीष मिश्र संतोष पांडे, मनोज त्रिपाठी बाबा उदयनाथ मौर्य, संतोष सिंह मनीष मिश्रा,वीर बहादुर सिंह, सीता गुप्ता, गीता सिंह, सविता सिंह समेत समन्वय परिवार के सदस्य गण बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा में भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। आयोजन समिति के तरफ से मस्तराम मिश्रा ने आभार व्यक्त किया।

शिक्षित होकर स्वयं के साथ समाज को भी विकसित करने में अग्रणी योगदान देना चाहिएः कृपाशंकर सिंह

मां इस धरती पर सबसे बड़ी देवता होती हैः ओमप्रकाश सिंह

पार्वती पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना 21वां वार्षिकोत्सव, बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के ग्राम कुसरना हनुमान नगर स्थित पार्वती पब्लिक स्कूल में रविवार पूर्वाह्न विद्यालय का इक्कीसवां वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ

मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नौनिहालों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों व अभिभावकों का मन मोह लिया।कार्यक्रम के दौरान नृत्य, गीत, नाट्य व देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। बच्चों के आत्मविश्वास और मंचीय कौशल की सभी ने सराहना की।

समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि शिक्षा धनोपाजर्न के लिए नहीं है। यह समाज सेवा के लिए है। सभी को शिक्षित होकर स्वयं विकसित होने के साथ ही समाज को भी विकसित करने में अग्रणी योगदान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लमां इस धरती पर सबसे बड़ी देवता होती है, जिनके संस्कारों से बच्चे का भविष्य आकार लेता है।

वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी दिनेशचंद सिंह ने कहा कि ह्लविनम्रता व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा गुण है। समर्पित भाव से शिक्षा ग्रहण करने वाले शिष्य को गुरु श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करते हैं, जिससे उसका सर्वांगीण विकास होता है। अंत में विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वार्षिकोत्सव समारोह विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव उदाहरण बना।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक सुनील कुमार सिंह, प्रधानाचार्य अरुण पाण्डेय, शिक्षक राजीव सिंह, सरिता सिंह, अतवारु विश्वकर्मा, सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक संजय सिंह ने की किया। विद्यालय के संरक्षक रामऔतार सिंह ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन संतोष तिवारी द्वारा किया गया।

लायंस क्लब राबटर्सगंज में पल्स पोलियो प्रथम चरण का शुभारंभ

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब राबटर्सगंज के प्रांगण में पल्स पोलियो अभियान के प्रथम चरण की शुरूआत हुई। क्लब की जोन चेयरपर्सन राधिका सिंह और किशोरी सिंह ने स्वयं पोलियो ड्रॉप पिलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, भारत पोलियो मुक्त है, परन्तु कुछ देशों में यह रोग अभी भी मौजूद है और फिर से लौट सकता है। अपने बच्चों की सुरक्षा में कोई चूक न होने दें, हर बार पोलियो की खुराक दिलाएँ और इस जीत को बरकरार रखें। दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार। समारोह में पूर्व मंडल अध्यक्ष हरीश अग्रवाल, सुशील पाठक, अजीत सिंह भंडारी, विमल अग्रवाल, दया सिंह तथा स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि इस अभियान के तहत जिले भर में 0-5 वर्ष के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी, जिससे रोग की पुनरावृत्ति को रोकने में मदद मिलेगी। उन्होंने जनसमुदाय से अपील की कि वे इस राष्ट्रीय प्रयास में सहयोग दें और अपने बच्चों को समय-समय पर पोलियो की दो बूंदें अवश्य दिलाएँ। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें सभी ने मिलकर इस स्वास्थ्य मिशन की सफलता की कामना की।

दो पहिया वाहन व कार की टक्कर में युवक की हुई मौत, एक गम्भीर रूप से हुआ घायल

महावीर सोनी

चाकघाट, रीवा (उत्तरशक्ति)। चाकघाट थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-30 पर शनिवार देर रात्रि पुनः दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार वन विभाग बैरियर के समीप रॉन्ग साइड से आ रही। एक अज्ञात कार ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर

पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया है। मृतक की पहचान ऋषभ तिवारी पिता सूर्यमणि तिवारी उम्र 24 वर्ष निवासी पुर्वा मझिगवां थाना सोहागी के रूप में हुई है। जबकि घायल नानिल तिवारी पिता राजेश तिवारी उम्र 27 वर्ष निवासी पुर्वा मझिगवां थाना सोहागी है। थाना प्रभारी चाकघाट बालकेश सिंह द्वारा बताया गया कि घायल युवक ने कार द्वारा ठोकर मारकर फरार होना बताया गया है जिस पर आगे की कार्यवाही जारी है।

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल

मानीकलॉ, जौनपुर

निःशुल्क मेगा कैम्प

(डायबटीज एवं हड्डी रोग)

23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक

Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ

Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)

अन्य ब्लड जाँच पर 50% डिस्काउन्ट

OPD Fee	Free
Cholesterol	150/-
HbA1C	700/-
BMD	1500/-
PFT(Asthma)	1500/-
TSH	250/-
Sugar	50/-
Diet Councelling	200/-
Neuropathy	1000/-
Uric Acid	100/-
RA	150/-
TOTAL AMOUNT	~~5600/-~~ Free

मो0 नं0 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।

डा0 मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉ, जौनपुर-9451610571

मूली कफ को काटने का काम करती: वैद्य भूषण

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज मूली सस्ता और सरदार सुपर फूड है सर्दियां आते हैं बजारों में ताजी कुरकुरी मूली की सुगंध हर तरफ फैल जाती है लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह सफेद रंग की साधारण सी दिखने वाली सब्जी वास्तव में सर्दियों की शक्तिशाली प्राकृतिक औषधि है। आयुर्वेद में इसे शीत ऋतु का अग्नि दीपक रक्त शोधन और यकृत शुद्धि कारक कहा गया है। मूली न सिर्फ पाचन को बेहतर बनाती है बल्कि फेफड़ा लीवर ब्लड प्रेशर और यूनिटी पावर पर गहरा असर डालती है। आयुवेर्दाचार्य डॉ वैद्य भूषण के अनुसार मूली सर्दियों में ही सुपर फूड क्यों बनती है । सर्दियों में शरीर की जड़ रागिनी सबसे अधिक तेज होती है। इस समय मूली जो कफ को काटने को काम करती है। शरीर को बिना बोझ डालें तेजी से पच जाती है। मूली में विटामिन सी पोटेशियम नाइट्रेट्स सल्फर कंपाउंड जो म्यूकस कम करते हैं। इसी कारण मूल्य को सर्दियों में नेचुरल बॉडी क्लीनर कहा जाता है मूली कब खाए आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान का एक ही राय है मूल्य सुबह दोपहर खाएं शाम रात नहीं क्योंकि रात में यह गैस पैदा कर सकती है सबसे बेहतर समय दोपहर के खाने में नाश्ते में मूली पराठा इत्यादि तरह से खा सकते हैं मूली खाने का तरीका नींबू काला नमक के साथ सलाद मूली में मौजूद कैल्शियम नींबू के विटामिन सी के साथ मिलकर लीवर क्लीनिंग को दुगना कर देते हैं दही के साथ मूल। रायता या कम्युनिकेशन पेट की जलन एसिडिटी खत्म करता है। मूली का जूस अदरक के साथ लेने से गले में जकड़न और खराश बलगम में बेहद असरदार काम करता है।

गहना कोठी के लकी ड्रा में रेशमा को कार, 4 को बाइक और 4 को स्कूटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के प्रतिष्ठित आभूषण व्यवसाय संस्थान गहना कोठी द्वारा आयोजित लकी ड्रा कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। आभूषण कारोबार में 79 वर्षों से ग्राहकों के विश्वास पर खरा उतरने वाले इस संस्थान के आयोजन में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के पूर्व चेयरमैन दिनेश टंडन रहे। उन्होंने कहा कि गहना कोठी ने हमेशा गुणवत्ता और विश्वास की मिसाल कायम की है। इस उपलब्धि का श्रेय प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता विवेक सेठ मोनू एवं विनीत सेठ को जाता है। लकी ड्रा में प्रथम पुरस्कार मछलीशहर की रेशमा को मिला, जिन्हें मारुति अर्टिगा कार प्रदान की गई। द्वितीय पुरस्कार के रूप में हीरो होंडा बाइक श्रद्धा, सुषमा पाठक, शैला पाठक और कंचन को दी गई। तृतीय पुरस्कार पाने वालों में कमलेश यादव, अंकित गौतम, लता और आकाश यादव शामिल रहे, जिन्हें स्कूटी प्रदान की गई। इसके अलावा चतुर्थ पुरस्कार के तहत चार लोगों को वाशिंग मशीन, पंचम पुरस्कार के रूप में 50 लोगों को इंडक्शन चूल्हा और षष्ठम पुरस्का के अंतर्गत 50 विजेताओं को मिक्सर ग्राइंडर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विवेक सेठ मोनू, विनीत सेठ, विपिन सेठ और विशाल सेठ द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। आयोजन में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

विधि अधिकारी पद पद के लिए आवेदन शुरू

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। पुलिस आयुक्त मीरा भायंदर, वसई विरार प्रतिष्ठान में संविदा आधार पर विधि अधिकारी के निम्नलिखित पदों के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आयुक्त मीरा भायंदर, वसई-विरार प्रतिष्ठान में विधि अधिकारी के संविदात्मक पदों पर भर्ती की जानी है। उक्त पदों से संबंधित विस्तृत जानकारी, जिसमें अनुबंध, वेतन, शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, अनुभव, कर्तव्य और जिम्मेदारियां, नियम और शर्तें, साथ ही निर्धारित आवेदन पत्र शामिल हैं, वेबसाइट http://www.mbw.mahapolice.gov.in पर पुलिस भर्ती शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध है। इस विज्ञापन की शर्तों और नियमों को पूरा करने वाले उम्मीदवार विज्ञापन में दिए गए नमूना प्रपत्र में अपना आवेदन पुलिस उपायुक्त (अपराध), मीरा भायंदर वसई-विरार कार्यालय, संथोम स्कूल के पास, ओस्तवाल हाइट्स के सामने, कनकिया रोड, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे-401107 को 12/01/2026 तक भेजें। आवेदन लिफाफे के दाहिनी ओर मोटे अक्षरों में कानूनी अधिकारी के पद के लिए आवेदन लिखें। यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए। उम्मीदवारों के लिए विज्ञापन में दी गई शैक्षणिक योग्यता, प्रमाण पत्र, आयु सीमा और अनुभव के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियां आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि 12/01/2026 के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

एलन के सक्सेस पॉवर सेशन में शामिल हुए 6 हजार से अधिक स्टूडेंट्स

पटना(उत्तरशक्ति)। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट पटना की ओर से टैलेंटेक्स व स्पार्क परीक्षाओं का प्रतिभा सम्मान सक्सेस पॉवर सेशन के रूप में श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 6 हजार से अधिक स्टूडेंट्स व पेरेन्ट्स शामिल हुए। टैलेंटेक्स और स्पार्क परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाली बिहार की 1200 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के वाइस प्रसीडेंट एवं जोनल हेड डॉ.विपिन योगी मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में बिहार में एलन पटना की स्थापना के सफलतम दो वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में भी एलन पटना के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सरस्वती मैडल से सम्मानित किया गया। वहीं फाउंडेशन कोर्स शामिल कक्षा 6 से 11 तक के विद्यार्थियों व अभिभावकों के लिए शैक्षणिक व साइकोलॉजिकल सेशन का आयोजन कर मार्गदर्शन दिया गया। एलन टैलेंटेक्स में क्लासवाइज टॉप करने वाले पटना के 180 विद्यार्थियों को कैश रिवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया साथ ही प्रतिभावान विद्यार्थियों को एलन फीस में 90 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप देकर कॅरियर निर्माण में सहयोग करने की घोषणा की गई। वाइस प्रसीडेंट व जोनल हेड डॉ.विपिन योगी ने कहाकि एलन पटना में अभिभावकों व विद्यार्थियों के अपार स्नेह के बाद अब मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मोतिहारी, पूर्णिया, भागलपुर और गयाजी में भी एलन सेंटर्स शुरू हो गए हैं और एडमिशन प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इन स्थानों पर 20 दिसम्बर तक प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को रियायती शुल्क पर प्रवेश दिया जाएगा। स्पार्क व टैलेंटेक्स की स्कॉलरशिप के साथ यह दोहरा लाभ एलन का नये साल का नया तोहफा होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, सिर्फ उन्हें तराशने की आवश्यकता है और इसके लिए एलन हर कदम पर उनके साथ है। विद्यार्थियों की मेहनत और एलन की एक्सपर्ट फैकल्टीज का मार्गदर्शन बिहार के विद्यार्थियों के कॅरियर निर्माण में कारगर प्रयास साबित होगा। एलन स्टूडेंट इमोश्नल वेलबीईंग नेशनल हेड डॉ.हिमांशु शर्मा ने पेरेंटिंग सेशन लेते हुए अभिभावकों को बच्चों की परवरिश और पढ़ाई में योगदान के बारे में बताया। उन्होंने पेरेंटिंग टिप्स देते हुए अभिभावकों को जागरूक किया।

विशाल केजरीवाल ने फाउंडेशन कोर्स और ओलंपियाड की तैयारियों के लिए कहा कि जल्दी तैयारी से कॅरियर निर्माण समय पर होता है। हर ओलम्पियाड में एलन स्टूडेंट्स अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर सेंटरहेड चेतन शर्मा ने कहा कि एलन में सत्र 2026-27 की मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारियों के लिए एडमिशन शुरू हो चुके हैं। बैच की घोषणा के साथ ही एलन में एडमिशन को लेकर बिहार के विद्यार्थियों में उत्साह नजर आ रहा है।

पीएनबी मेटलाइफ ने बोकारो में नई शाखा खोलकर अपनी उपस्थिति मजबूत की

बोकारो (उत्तरशक्ति)। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एकपीएनबी मेटलाइफ ने बोकारो, झारखंड में अपनी नई शाखा के उद्घाटन की घोषणा की। शाखाओं का उद्घाटन कंपनी की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह बीमा को और अधिक सुलभ बनाना चाहती है, ताकि ग्राहकों को जहाँ भी वे हों, पॉलिसी सेवाएँ और भरोसेमंद सलाह उपलब्ध हो सके। समीर बंसल, एमडी और सीईओ, पीएनबी मेटलाइफ ने कहा, विश्वास हमेशा से पीएनबी मेटलाइफ के अपने ग्राहकों के साथ संबंधों की नींव रहा है। भारत भर में अब 178 शाखाओं के साथ, हम न केवल अपनी पहुँच का विस्तार कर रहे हैं बल्कि इस भरोसे को और मजबूत कर रहे हैं कि ग्राहक हर कदम पर हम पर निर्भर कर सकते हैं। हमारा फोकस वहीं उपस्थित रहना है जहाँ उन्हें हमारी सबसे अधिक जरूरत है, सुरक्षा को करीब लाना, उसे सरल बनाना और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपना वित्तीय भविष्य योजना बनाने में मदद करना। अपनी 178 शाखाओं के अलावा, कंपनी 20,000 से अधिक बैंकएश्योरेंस पार्टनर स्थानों के माध्यम से ग्राहकों तक पहुँचती है, जिससे उसके सुरक्षा और बचत समाधान तक व्यापक और भरोसेमंद पहुँच सुनिश्चित होती है।

डिस्ट्रिक्ट 98 लीडरशिप कॉन्क्लेव ने मुंबई में पूरे किए प्रभावशाली लीडरशिप डेवलपमेंट के एक दशक

मुंबई। टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल का डिस्ट्रिक्ट 98 ने मुंबई में स्पीकर्स टुडे, लीडर्स टुमॉरो लीडरशिप कॉन्क्लेव को सफलतापूर्वक होस्ट किया। यह 2015 में अपनी शुरूआत के बाद से डिस्ट्रिक्ट 98 की 10 साल की यात्रा का प्रतीक था। इस कॉन्क्लेव में कॉर्पोरेट लीडर्स, कम्युनिकेशन एक्सपर्ट्स और टोस्टमास्टर्स के सदस्य एक साथ आए ताकि संगठनों और संस्थानों में कम्युनिकेशन-आधारित लीडरशिप के बढ़ते महत्व की जांच की जा सके।

शाम की शुरूआत एक प्रेस कॉन्फ्रेंस से हुई, जिसके बाद मीडिया इंटरैक्शन और बाइट के मौके मिले, जहाँ डिस्ट्रिक्ट 98 के सीनियर लीडर्स ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे टोस्टमास्टर्स का 101 साल पुराना विश्व स्तर पर आजमाया हुआ फ्रेमवर्क कॉर्पोरेट, एकेडमिक और कम्युनिटी इकोसिस्टम में लीडरशिप डेवलपमेंट को सपोर्ट कर रहा है।

कॉन्क्लेव की शुरूआत करते हुए उ्ळट, डिस्ट्रिक्ट 98 की डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर नेहा भट्ट ने दर्शकों को संबोधित किया और मुंबई, नवी मुंबई, जलगाँव, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में आत्मविश्वासी लीडर्स बनाने में डिस्ट्रिक्ट के दस साल के योगदान पर बात की।

उन्होंने मजबूत, लोगों पर आधारित संगठन बनाने में स्ट्रक्चर्ड कम्युनिकेशन लर्निंग की भूमिका पर जोर दिया। DTM टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल, रीजन 8 एडवाइजर सपना ओहरी ने एक क्षेत्रीय नजरिए से बात की और ≈टोस्टमास्टर्स कॉर्पोरेट इकोसिस्टम बनाने में कैसे मदद करता है विषय पर बात की। उनके भाषण में उन संगठनों में टोस्टमास्टर्स प्रोग्राम की बढ़ती अहमियत पर जोर दिया गया, जो लीडरशिप पाइपलाइन, सहयोग और वर्कप्लेस कम्युनिकेशन को मजबूत करना चाहते हैं। कम्युनिकेशन से जुड़े मिथकों को समझाना नाम से एक सोचने पर मजबूर करने वाला भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कॉन्फिडेंस, मनाने की कला और काम पर अच्छी तरह से बात करने के लिए क्या जरूरी है, इस बारे में कुछ सबसे बड़ी मान्यताओं को चुनौती दी।

मनचला आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव के नेतृत्व मे मुगराबादशाहपुर पुलिस द्वारा दिनांक 14.12.2025 को प्राप्त सूचना एवं विधिक कार्यवाही के क्रम में मु0अ0स0 303/2025, धारा 296 बीएनएस में वांछित आरोपी अजय सरोज पुत्र शिवबहादुर सरोज निवासी सूरजा का पूरा दान सारीपुर थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी उपरोक्त को उपरोक्त अपराध के सम्बन्ध में अवगत कराया गया तो और उत्तेजित होकर आमादा फौजदारी होने लगा। शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु अजय उपरोक्त का चालान अंतर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में न्यायालय उपजिलाधिकारी मछलीशहर किया गया।

मानव सेवा चेरिटेबल भारत ट्रस्ट लगातार कर रहा चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जी.के. हॉस्पिटल, भकुरा मोड़ पेट्रोल पंप, पूर्वांचल यूनिवर्सिटी, जौनपुर में आयोजित कार्यक्रम में मानव सेवा चेरिटेबल भारत ट्रस्ट के अध्यक्ष हुसैन हैदर खान का आगमन हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारीगण भी उनके साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्रीय जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी देना एवं सेवा भाव से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाना रहा। इस कार्यक्रम में भावी जिला पंचायत प्रत्याशी, वार्ड-15, केशव बिन्द (युवा समाज सेवी)संस्था से उच्चस्तरीय पदाधिकारी मो नईम. संस्था के उप अध्यक्ष मो हसीब खान ,डॉ .दीप चंद तहसील शाहगंज, जनपद जौनपुर के रूप में उपस्थिति देकर विशेष महत्व प्राप्त किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा को समाज की मूल आवश्यकता बताते हुए कहा कि जरूरतमंद लोगों तक सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना ही मानव सेवा ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है। जी.के. हॉस्पिटल द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होते हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने भी अस्पताल प्रबंधन से संवाद कर भविष्य में संयुक्त रूप से स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता कार्यक्रम एवं निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं आयोजित करने पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमूह ने मानव सेवा ट्रस्ट एवं जी.के. हॉस्पिटल के इस प्रयास की प्रशंसा की और आशा व्यक्त की कि ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्य निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे।

खेल से अनुशासन और टीम भावना का विकास : डॉ. गोरखनाथ पटेल

जौनपुर। बेसिक शिक्षा परिषद के बच्चों की ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 -26 पूर्व माध्यमिक विद्यालय तियरा के मैदान पर खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार पांडेय के नेतृत्व में सम्पन्न हुई क इस प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि गंगा सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उप जिलाधिकारी योगिता सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल सम्मलित हुए क विधायक प्रतिनिधि गंगा सिंह ने कहा कि अनुशासित खेल से भी उत्तम भविष्य का निर्माण किया जा सकता है कइस अवसर उप जिलाधिकारी योगिता सिंह ने बच्चों से कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मष्तिष्क का वास होता है कजिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने कहा कि खेल से अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है क इस अवसर पर प्रदेशीय महामंत्री अनिल यादव ने कहा कि खेल से उत्तम राष्ट्र की परिकल्पना सम्भव है कइस अवसर पर प्रदेशीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष उमेश चंद्र मिश्र, प्रदेशीय उपाध्यक्ष/ब्लॉक मंत्री राय साहब यादव, जिला संरक्षक राधेश्याम चौरसिया, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष नंद कुमार यादव, मंत्री कैलाश नाथ रजक, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सुरेश यादव, सेवानिवृत्त शिक्षक कमलदेव तिवारी, चंद्र प्रकाश यादव, रवीन्द्र प्रसाद तिवारी, विमल यादव, राज भारत मिश्र, रामकेश यादव, राकेश पाल, समरजीत तिवारी,सच्चिदानंद यादव, यादवेंद्र, आलोक यादव, मुकेश, सूरज, अरुण, विनोद, सभी खेल अनुदेशक सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे क अंत में खंड शिक्षा अधिकारी बदलापुर अरविंद कुमार पांडेय ने ब्लॉक क्रीड़ा प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी बच्चों का प्रोत्साहन एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

श्रीमद्भगवत सभी ग्रंथों का सम्राट है : डॉ त्रिभुनाचार्य महाराज

लाल शेखर सिंह

पालघर (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व रश्मि हाइट्स 2, स्थित श्रीबालाजी बैंक्वेट हॉल में डॉ त्रिभुवनाचार्य के व्यासत्व में13 से 20दिसंबर तक नित्य सांय 4 से 7 बजे के सत्र में सात दिवसीय श्रीमद्भगवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है।सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में निरंतर संलग्न रहने वाले भाजपा नेता एवं संस्कार भारती प्रतिष्ठान के सचिव अखिलेश ज. मिश्र द्वारा आयोजित श्रीमद्भगवत कथा के द्वितीय दिवस पर पूज्य डॉ त्रिभुनाचार्य महाराज भागवत कथा का महात्म बताते हुए कहा कि द्वापर युग में ऋषि परासर ने सभी ग्रंथों कि रचना किया।नैमिषारण्य में 88 हजार ऋषियों ने सुत जी से निवेदन किया कि आप बताए कि सबसे उत्तम ग्रन्थ क्या है। जो सबसे कल्याण कारी हो,

महाराज जी ने बताया कि सभी ग्रंथों में सर्व प्रथम मंगला चरण लिखा है लेकिन श्रीमद्भागवत में पहिले मंगला चरण नहीं है, इस ग्रंथ में सिर्फ सत्य का मंगलाचरण है। सत्य से ही सबकी उत्पत्ति हुई है, ब्रह्मा विष्णु महेश सब सत्य से प्रकट हुए हैं। वेदव्यास जी ने सभी शिष्यों को सिर्फ दो मंत्र सिखाए जबकि मंत्र तो 28 हजार है, लेकिन श्रीमद्भागवत की सिर्फ सिर्फ दो मंत्र सभी ऋषियों सुकदेव जी को सुनाया , जिसमें सिर्फ भगवान का वर्णन था सुनकर भाव विभोर हो गए। मूल रूप से महाराज जी ने बताया कि सभी ग्रंथों का सम्राट है, श्रीभागवत। पूज्य महाराज जी ने बताया कि सभी पंथों में सभी के महापुरुष हुए हैंऔर सब में 24 अवतार है। कथा के मध्य महाराज ने कई लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौरतलब है कि धर्मपारायण समाजसेविका श्रीमती रीता राधेश्याम शुक्ला इस कथा की मुख्य यजमान हैं।

संस्कृति कला महोत्सव का भव्य आयोजन, तारक मेहता उर्फ शैलेश लोढ़ा ने जीता लोगों का दिल

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में प्रताप सरनाईक फाउंडेशन द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन मीरा भायंदर में किया गया है। इस आयोजन के दूसरे दिन एक शाम कवियों के नाम रहा शैलेश लोढ़ा व देश के मशहूर कवियों के साथ यह कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंत्री प्रताप सरनाईक की उपस्थिति रही और उनका स्वागत व अभिवादन किया। प्रताप सरनाईक फाउंडेशन द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कला महोत्सव 2025 के दूसरे दिन भी लोगों का भरपूर प्यार मिला। इस उत्सव में पूर्ण भागीदारी और सभी उम्र के प्रशंसकों की उपस्थिति वातावरण को उत्सव और सांस्कृतिक ऊर्जा दे रही थी।

मशहूर कॉमेडियन और लोकप्रिय सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा में तारक मेहता उर्फ शैलेश लोढ़ा महोत्सव के दूसरे दिन मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। उनके प्रभावशाली कविता, नोकझोंक, टिप्पणियां करने की शैली ने दर्शकों को बाँध कर रखा। सभी कवियों की कविताओं ने लोगों का दिल जीत लिया। सांस्कृतिक कला महोत्सव मीरा भायंदर की प्रगतिशील यात्रा को कलात्मक अभिव्यक्ति देता है साथ ही आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान भी दे रहा है। यह सांस्कृतिक कला महोत्सव हर साल मीरा भायंदर में आयोजित किया जाता है।

बाइक पर सुरक्षा गार्ड लगाकर लोगों को किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीते दिनों चाइनीज मांझा से हुए एक व्यक्ति की मौत के बाद लोगों में भय सा बन गया है। इसी को देखते हुए निषाद पार्टी के नगर अध्यक्ष आशीष निषाद ने नगर सद्भावना पुल पर अपने साथियों के साथ एक पहल की है। उन्होंने चाइनीज मांझा से बचने के लिये अपने बाइक के आगे एक सुरक्षा गार्ड लगाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया है।

इस दौरान बातचीत में उन्होंने बताया कि जनपद में चाइनीज मांझे से आये दिन दुर्घटना होती चली आ रही है जिससे पूरे जनपद के लोगों में दहशत व्याप्त है। लोग बाइक चलने में भी डर रहे हैं। इसी को देखते हुए हमने अपने बाइक पर सुरक्षा गार्ड लगाकर लोगों को भी इसे फॉलो करने की अपील किया है। इस मौके पर ट्रैफिक इंचार्ज सुशील मिश्रा ने आशीष निषाद, राहुल प्रजापति, समाजसेवी सर्वेश सिंह के कार्यों की सराहना की और साथ ही इस अभियान में हरसंभव मदद करने का वादा किया। इस मौके पर गौतम निषाद, पिंटू निषाद, तरुण वर्मा, रवि निषाद, अजय कुमार निषाद, हिमांशु मोदनवाल आदि उपस्थित रहे।

रबी मौसम फसल प्रबंधन में किसान गोष्ठी का आयोजन

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा सीवान के तत्वाधान में महाराजगंज के प्रखंड कार्यालय के प्रांगण में ई किसान भवन के सभागार में रबी मौसम फसल प्रबंधन हेतु किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से पुष्प एवं माला से किया गया। महाराजगंज में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख बच्ची देवी ने की मंच का संचालन एस एमएस संजीव कुमार ने की । प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सहायक तकनीकी प्रबंधक किसान सलाहकार चंद्र देव यादव, पुष्पेंद्र कुमार के अलावा अन्य कृषि सलाहकार व एसएमएस कार्यक्रम में मौजूद थे।

शहर को हाईवे से जोड़ने की राजन नाइक की कोशिश सफल

नालासोपारा। नालासोपारा के भारतीय जनता पार्टी विधायक राजन नाइक की पहल से मुंबईझअहमदाबाद हाईवे से नालासोपारा और विरार शहर को जोड़ने वाली दो प्रमुख सड़कों के विकास का रास्ता साफ हो गया है। पेल्हार से नालासोपारा तथा विरार फाटा से विरार शहर को जोड़ने वाली सड़कों की कंक्रीटिंग को लेकर लंबे समय से चली आ रही मांग अब धरातल पर उतरती दिख रही है। इन सड़कों के साथ-साथ कुछ अन्य प्रमुख मार्गों और प्रस्तावित रेलवे फ्लाईओवर को प्रशासनिक मंजूरी मिल चुकी है। शुक्रवार को टटफळ्ळ अधिकारियों द्वारा फाइनल निरीक्षण किए जाने के बाद, वसईझविरार महानगरपालिका ने संबंधित कार्यों की बाउंड्री तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विधायक राजन नाइक पिछले कई वर्षों से नगर क्षेत्र में रेलवे लाइनों पर सड़कें और फ्लाईओवर बनाने को लेकर राज्य सरकार और टटफळ्ळ के साथ लगातार फॉलोअप कर रहे थे। इसी क्रम में उन्होंने टटफळ्ळ के सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर चेतन बेंडाले, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सुरेंद्र शेवाले, वसईझविरार महानगरपालिका के सिटी इंजीनियर प्रदीप पचांगे और डिप्टी इंजीनियर सूर्यवंशी के साथ विभिन्न परियोजना स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पेल्हारझनालासोपारा और विरार फाटाझविरार सड़कों के साथ-साथ रिंग रूट के एक हिस्से–नालासोपारा वेस्ट पुलिस स्टेशन से सनसिटी होते हुए वसई स्टेशन को जोड़ने वाली सड़क तथा नारंगी फ्लाईओवर से आगाशी तक प्रस्तावित सड़क–का भी जायजा लिया गया। विधायक ने महानगरपालिका को तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, विराटनगर और ओसवालनगर में रेलवे लाइन पर बनने वाले फ्लाईओवर की साइट का भी निरीक्षण किया गया, जिन्हें पहले ही प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है।